वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 250 गुरुवार 29 जनवरी 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

विधानसभा पहुंचने पर राज्यपाल का हुआ अभिनंदन

जयपुर. कासं

सोलहवीं राजस्थान विधानसभा के पंचम सत्र में बुधवार को राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने 2026 का अभिभाषण दिया। इससे पहले राज्यपाल बागड़े के विधानसभा पहुंचने पर उनका विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास और विधानसभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा ने स्वागत किया। राज्यपाल बागड़े को विधानसभा के मुख्य द्वार पर आरएसी बटालियन द्वारा सलामी दी गई। बाद में राज्यपाल बागड़े को अभिभाषण के लिए सदन में प्रोसेशन में ले जाया गया। राज्यपाल ने विधानसभा में एक घंटे 21 मिनिट 23 सेकेंड में अपना अभिभाषण पूरा किया।

राजस्थान बनेगा एयरोस्पेस और डिफेन्स मैन्युफैक्चरिंग हब

विनिर्माण परियोजनाओं और सर्विस सेक्टर को बांटा जाएगा तीन-तीन श्रेणियों में

विनिर्माण और सर्विस सेक्टर परियोजनाओं को मिलेंगे विभिन्न लाभ

नीति के तहत ए एण्ड डी पार्कों में लगने वाले पात्र एयरोस्पेस एवं डिफेन्स मैन्युफैक्चरिंग और सेवा उद्यमों को एसेट क्रिएशन इन्सेन्टिव के रूप में 7 वर्षों तक राज्य कर के 75 प्रतिशत पुनर्भरण का निवेश अनुदान दिया जाएगा। साथ ही, विनिर्माण उद्यमों के लिए 20 से 28 प्रतिशत और सर्विस सेक्टर के लिए 14 से 20 प्रतिशत तक 10 वर्षों में वितरित पूंजीगत अनुदान अथवा 10 वर्षों तक वार्षिक किश्तों में देय 1.2 प्रतिशत से 2 प्रतिशत तक टर्नओवर लिंक्ड प्रोत्साहन में से किसी एक विकल्प का चयन करने की सुविधा दी जाएगी। इसके अतिरिक्त इन प्रोत्साहनों पर टॉप-अप के रूप में 10 से 15 प्रतिशत एम्प्लॉयमेंट बूस्टर, पहली तीन मेगा अथवा अल्ट्रा मेगा इकाइयों के लिए 25 प्रतिशत सनराइज बूस्टर, 10 प्रतिशत एंकर बूस्टर, 20 प्रतिशत थ्रस्ट बूस्टर जैसे लाभ भी प्रदान किए जाएंगे। रीको से भूमि लेने वाले मेगा, अल्ट्रा मेगा विनिर्माण उद्यमों को 10 वर्षों तक फ्लेक्जिबल लैण्ड पेमेंट और 5 वर्षों के लिए 25 प्रतिशत ऑफिस स्पेस हेतु लीज रेन्टल सब्सिडी का लाभ भी देय होगा।

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार विकसित राजस्थान के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में बहुआयामी विकास नीति के साथ कार्य कर रही है। कृषि, ऊर्जा, पेयजल, शिक्षा, बुनियादी ढांचा, चिकित्सा, उद्योग जैसे क्षेत्रों में प्रगति की रफ्तार बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। इसके साथ ही, एयरोस्पेस और डिफेंस विनिर्माण तथा सेवाओं में राज्य की आत्मनिर्भरता को मजबूत करने एवं राष्ट्र की एयरोस्पेस और डिफेंस विनिर्माण उपलब्धियों में राजस्थान के योगदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य सरकार राजस्थान एयरोस्पेस एण्ड डिफेंस नीति लाई है। यह नीति प्रदेश में रक्षा तथा अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहन देने के साथ ही राजस्थान को एयरोस्पेस और डिफेन्स मैन्युफैक्चरिंग का महत्वपूर्ण हब बनाने की दिशा में सहायक होगी। इस क्षेत्र में बड़े निवेश को आकर्षित करने के साथ-साथ एमएसएमई, स्टार्टअप्स और नवाचार आधारित इकोसिस्टम के विकास पर केन्द्रित यह नीति आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को भी बढ़ावा देगी। इस नीति के अंतर्गत प्रदेश में एयरोस्पेस एण्ड डिफेन्स क्षेत्र के विनिर्माण उद्यमों, उपकरण एवं घटक निर्माताओं, आपूर्तिकर्ताओं, प्रिसीजन इंजीनियरिंग इकाइयों और मेंटेनेंस, रिपेयर एवं ओवरहॉलिंग से जुड़ी इकाइयों की स्थापना को बढ़ावा दिया जाएगा। इस नीति के अन्तर्गत विनिर्माण परियोजनाओं को न्यूनतम 50 करोड़ रुपए से 300 करोड़ रुपए तक अचल पूंजी निवेश करने पर लार्ज, 300 करोड़ से 1 हजार करोड़ रुपए के निवेश पर मेगा और 1 हजार करोड़ रुपए से अधिक के निवेश पर अल्ट्रा मेगा परियोजना की श्रेणी में रखा जाएगा। वहीं, सर्विस सेक्टर के लिए 25 करोड़ से 100 करोड़ रुपए तक अचल पूंजी निवेश वाली परियोजनाएं लार्ज, 100 करोड़ से 250 करोड़ रुपए तक मेगा और 250 करोड़ से अधिक के निवेश वाली परियोजनाएं अल्ट्रा मेगा की श्रेणी में रखी जाएंगी। पॉलिसी में विशेष इन्सेंटिव्स का भी प्रावधान किया गया है, जिनमें बैंकिंग, व्हीलिंग और ट्रांसमिशन चार्जेज में छूट, फ्लेक्सिबल लैंड पेमेंट मॉडल, ऑफिस-स्पेस लीज रेंटल सब्सिडी तथा कैप्टिव पावर प्लांट में किए गए निवेश का 51 प्रतिशत पात्र स्थायी पूंजीगत निवेश में शामिल करना शामिल है। इसके साथ ही उद्योगों को दीर्घकालिक राहत देने के लिए 7 वर्षों तक विद्युत शुल्क से शत प्रतिशत छूट, 7 वर्षों तक मंडी शुल्क अथवा बाजार शुल्क का शत प्रतिशत पुनर्भरण, स्टाम्प शुल्क, रूपांतरण शुल्क में 75 प्रतिशत छूट तथा 25 प्रतिशत पुनर्भरण की व्यवस्था भी की गई है। ग्रीन इन्सेंटिव, स्किल एवं ट्रेनिंग इन्सेंटिव तथा इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी क्रिएशन इन्सेंटिव जैसे प्रावधान इस नीति को और अधिक आकर्षक बनाते हैं।

पॉलिसी में विशेष इन्सेंटिव्स का भी प्रावधान किया गया है, जिनमें बैंकिंग, व्हीलिंग और ट्रांसमिशन चार्जेज में छूट, फ्लेक्सिबल लैंड पेमेंट मॉडल, ऑफिस-स्पेस लीज रेंटल सब्सिडी तथा कैप्टिव पावर प्लांट में किए गए निवेश का 51 प्रतिशत पात्र स्थायी पूंजीगत निवेश में शामिल करना शामिल है।

जैन मिलन महिला शाखा जौरा ने मनाया गणतंत्र दिवस; बच्चों में जगाई देशभक्ति की अलख

जौरा (अजय जैन). शाबाश इंडिया

26 जनवरी गणतंत्र दिवस के राष्ट्रीय पर्व पर 'जैन मिलन महिला शाखा जौरा' द्वारा स्थानीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय तथा आंगनबाड़ी केंद्र में गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य नौनिहालों में राष्ट्रभक्ति और संवैधानिक मूल्यों का संचार करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की वंदना और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात मुख्य अतिथियों द्वारा विधिवत ध्वजारोहण किया गया और सामूहिक राष्ट्रगान गाया गया। विद्यालय परिसर 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के गगनभेदी नारों से गुंजायमान हो उठा।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

आयोजन के दौरान स्कूल और आंगनबाड़ी के नन्हे बच्चों ने देशभक्ति गीतों, कविताओं और प्रेरक भाषणों की शानदार प्रस्तुतियां दीं। बच्चों के उत्साह और देश के प्रति उनके प्रेम ने वहां उपस्थित सभी लोगों को भावविभोर कर दिया।

संविधान और कर्तव्यों का बोध

जैन मिलन महिला शाखा की पदाधिकारियों ने बच्चों को संबोधित करते हुए गणतंत्र दिवस के ऐतिहासिक महत्व की जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को हमारे संविधान, मौलिक अधिकारों और एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में हमारे कर्तव्यों के बारे में सरल भाषा में समझाया। पदाधिकारियों का कहना था कि बचपन में बोए गए देशभक्ति के बीज ही भविष्य में एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण करेंगे। कार्यक्रम के समापन पर संस्था की ओर से सभी बच्चों को स्वल्पाहार वितरित किया गया। उपहार और जलपान पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। इस अवसर पर जैन मिलन महिला शाखा जौरा की अध्यक्ष भावना जैन, सचिव मनीषा जैन और कोषाध्यक्ष सीमा जैन सहित शाखा की अन्य सदस्याएं उपस्थित रहीं। सभी के सामूहिक सहयोग से यह राष्ट्रीय पर्व हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

'न भूतो न भविष्यती' होगा नांद्रे पंचकल्याणक महोत्सव: मुनि श्री सारस्वत सागर जी महाराज

नांद्रे (सांगली, महाराष्ट्र). शाबाश इंडिया

सांगली जिले के नांद्रे ग्राम में आगामी 2 फरवरी से 8 फरवरी 2026 तक आयोजित होने वाला 'नांद्रे पंचकल्याणक महोत्सव' जैन समाज के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय लिखने जा रहा है। अध्यात्म सरोवर के राजहंस और पट्टाचार्य भगवन विशुद्ध सागर महाराज जी के शिष्य छोटे बाबा सारस्वत सागर महाराज जी ने इस महोत्सव को 'न भूतो न भविष्यती' (अभूतपूर्व) बताते हुए कहा कि यह आयोजन केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि तीर्थंकरों के दिव्य जीवन को आत्मसात करने की एक पावन प्रक्रिया है।

विरासत और श्रद्धा का संगम

युवा हृदय सम्राट मुनि श्री जयंत सागर महाराज जी ने क्षेत्र के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि श्री 1008 भगवान महावीर दिगंबर जैन मंदिर लगभग 100 वर्ष प्राचीन है। यहाँ का भव्य पाषाण मानस्तंभ और आदिनाथ भगवान की प्राचीन प्रतिमा श्रद्धालुओं की अगाध आस्था का केंद्र है। नांद्रे की भूमि का गौरव इस बात से भी है कि यहाँ अब तक तीन भट्टारक स्वामीजी हुए हैं। वर्ष 2025 में पट्टाचार्य विशुद्ध सागर महाराज जी के शिष्यों ने इंदौर से नांद्रे तक 800 किलोमीटर का पद-विहार कर यहाँ चातुर्मास संपन्न किया, जिससे यह धरा धन्य हो गई।

पंचकल्याणक का आध्यात्मिक स्वरूप

मुनि श्री सिद्ध सागर महाराज जी ने महोत्सव के पाँच चरणों का महत्व समझाया:

गर्भ कल्याणक: तीर्थंकर आत्मा का माता के गर्भ में आगमन।

जन्म कल्याणक: सुमेरु पर्वत पर इंद्र द्वारा बालक तीर्थंकर का जन्माभिषेक।

दीक्षा कल्याणक: संसार त्याग कर संयम पथ और मुनि पद अंगीकार करना।

केवल ज्ञान कल्याणक: तपस्या से अनंत ज्ञान (कैवल्य) की प्राप्ति।

मोक्ष कल्याणक: जन्म-मरण के बंधन से मुक्त होकर सिद्ध अवस्था प्राप्त करना।

तैयारियां अंतिम चरण में

नांदणी के जिनसेन भट्टारक महास्वामीजी और मंदिर समिति के अध्यक्ष श्री जिनेश्वर पाटील ने बताया कि आयोजन की तैयारियां जोरों पर हैं। वीर सेवा दल, वीर महिला मंडल, पार्श्व महिला परिषद और जैन युवा मंच के कार्यकर्ता दिन-रात सेवा में जुटे हैं। मुनि श्री सिद्ध सागर महाराज के भक्त श्री सम्मेद पाटील और श्री मनोज पाटील ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि नांद्रे नगर का बच्चा-बच्चा इस महामहोत्सव के लिए उत्साहित है। युवती श्रुति चौधरी के अनुसार, नगर में मुनिराजों के आगमन को लेकर उत्सव जैसा माहौल है। 2 फरवरी से शुरू होने वाला यह महाकुंभ पूरे महाराष्ट्र के जैन समाज के लिए आध्यात्मिक जागृति का केंद्र बनेगा।

धुलियान में राष्ट्रीय पर्व और 14वां मंदिर प्रतिष्ठा महोत्सव हर्षोल्लास के साथ संपन्न

धुलियान. संजय बड़जात्या

धुलियान नगर में 26 और 27 जनवरी को राष्ट्रभक्ति और धर्म का अनूठा संगम देखने को मिला। श्री 1008 भगवान महावीर दिगंबर जैन मंदिर में समाज के सभी वर्गों ने एकजुट होकर गणतंत्र दिवस और मंदिर का 14वां प्रतिष्ठा महोत्सव अत्यंत उत्साह के साथ मनाया।

गणतंत्र दिवस का आयोजन

सोमवार, 26 जनवरी को प्रातः भगवान महावीर के अभिषेक और शांतिधारा के पश्चात मंदिर परिसर में 77वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। इस अवसर पर गरिमामय तरीके से ध्वजारोहण किया गया और उपस्थित श्रद्धालुओं ने राष्ट्रगान के साथ तिरंगे को सलामी दी। शाम को नन्हे बालकों के लिए 'चित्रांकन प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने अपनी कला के माध्यम से देशभक्ति के रंग उकेरे।

भव्य मंदिर प्रतिष्ठा महोत्सव

मंगलवार, 27 जनवरी को मंदिर का 14वां प्रतिष्ठा महोत्सव धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। इस उपलक्ष्य में भगवान को वेदी पर विराजमान कर नगर के प्रमुख मार्गों से एक भव्य जुलूस निकाला गया। जुलूस के पश्चात मूलनायक भगवान महावीर की पाषाण प्रतिमा पर 'महामस्तकाभिषेक' का भव्य कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें समाज के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पुण्य अर्जन किया।

सांस्कृतिक संध्या

महोत्सव के समापन पर संध्या काल में भगवान की महाआरती की गई। इसके बाद आयोजित धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। इन आयोजनों के माध्यम से समाज के युवाओं और बच्चों को जैन दर्शन और संस्कारों से जोड़ने का प्रयास किया गया।

रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ ने मनाया गणतंत्र दिवस

रक्तदान शिविर में 85 यूनिट रक्त संग्रह

जयपुर. शाबाश इंडिया

77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ के तत्वावधान में 'सन्नी मार्ट', न्यू आतिश मार्केट में एक गरिमामय और देशभक्ति से ओत-प्रोत कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सन्नी मार्ट व्यापार मंडल, न्यू आतिश मार्केट एसोसिएशन तथा नवकार किचन एंड इंटीरियर्स का सक्रिय सहयोग रहा।

ध्वजारोहण और सांस्कृतिक छटा

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुआ, जिसके पश्चात सामूहिक राष्ट्रगान गाया गया। देशभक्ति से परिपूर्ण सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पूरे परिसर को राष्ट्रप्रेम के रंग में सराबोर कर दिया। आयोजन में रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ के सदस्यों की बड़ी संख्या में उपस्थिति ने कार्यक्रम की भव्यता को और बढ़ा दिया।

मानवता के लिए रक्तदान

इस उत्सव का विशेष आकर्षण यहाँ आयोजित रक्तदान शिविर रहा। समाजसेवा की भावना से प्रेरित होकर रोटरी सदस्यों और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसके परिणामस्वरूप कुल 85 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। यह शिविर मानवता की सेवा और

जरूरतमंदों के जीवन रक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम सिद्ध हुआ।

प्रमुख अतिथियों ने की सराहना

सन्नी मार्ट व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुरेश सिंह एवं न्यू आतिश मार्केट एसोसिएशन के अध्यक्ष विष्णु कूलवाल ने कार्यक्रम में अपनी गरिमामय उपस्थिति दर्ज कराई। दोनों पदाधिकारियों ने रोटरी क्लब द्वारा किए जा रहे सामाजिक और राष्ट्रहित के कार्यों की मुक्त कंठ से सराहना की।

अध्यक्षीय संबोधन और आभार

रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ के अध्यक्ष अनिल जैन ने इस सफल आयोजन का श्रेय पूरी रोटरी टीम के अनुशासन और सामूहिक सहयोग को दिया। उन्होंने रक्तदाताओं, सहयोगी संस्थाओं और उपस्थित नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रोटरी क्लब भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्य जारी रखेगा। यह पूरा आयोजन राष्ट्रभक्ति, एकता और निस्वार्थ समाजसेवा का एक उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरा।

वेद ज्ञान

सच्चे संत का पूरा जीवन ईश्वर को होता है समर्पित

सच्चा संत वही है, जो सहज भाव से विचार करे और आचरण करे। जब उसका मान हो, तब उसे अभिमान न हो और कभी उसका अपमान हो जाए, तो उसे अहंकार नहीं करना चाहिए। हर हाल में उसकी वाणी मधुर, व्यवहार संयमशील और चरित्र प्रभावशाली होना चाहिए। संत शब्द का अर्थ ही है, सज्जन और धार्मिक व्यक्ति। सच्चा संत सभी के प्रति निरपेक्ष और समान भाव रखता है, क्योंकि सच्चा संत, हर इंसान में भगवान को ही देखता है, उसकी नजर में हर व्यक्ति में भगवान वास करते हैं, इसलिए उस पर किसी भी तरह के व्यवहार का कोई प्रभाव नहीं पड़ता। सच्चा संत वही है, जिसने अपनी इंद्रियों पर नियंत्रण प्राप्त कर लिया हो और वह हर तरह की कामना से मुक्त हो। कबीर दास जी कहते हैं कि साधु प्रेम-भाव का भूखा होता है, वह धन का भूखा नहीं होता। जो धन का भूखा होकर लालच में फिरता रहता है, वह सच्चा साधु नहीं होता। ईश्वर के उद्देश्यों और भावनाओं से जुड़ा हुआ संत ही सच्चा संत है। कहा गया है कि साधु ऐसा चाहिए, जो हरि की तरह ही हो। एक बार भगवान एक जंगल से गुजर रहे थे, तो वहां उन्हें एक संत मिले। भगवान ने उनसे कहा कि जाओ, तुम दूसरों की भलाई करो। संत ने कहा, महाराज यह मेरे लिए बहुत कठिन कार्य है, क्योंकि मैंने आज तक किसी को दूसरा समझा ही नहीं है, फिर मैं दूसरों का कल्याण कैसे करूंगा? भगवान संत से प्रभावित हुए और बोले अब आपकी छाया जिस पर भी पड़ेगी, उसका कल्याण होगा। संत ने कहा-हे देव मुझ पर एक और कृपा करें। मेरी वजह से किस-किस की भलाई हो रही है, इसका पता मुझे न चले, नहीं तो इससे उत्पन्न अहंकार मुझे पतन के मार्ग पर ले जाएगा। संत के इस वचन को सुनकर भगवान अभिभूत हो गए। परोपकार करने वाले सच्चे संत के ऐसे ही विचार होते हैं। असल में गेरुए वस्त्र पहनने और हिमालय पर चले जाने मात्र से कोई साधु नहीं बन जाता, बल्कि सच्चा संपूर्ण मानवता के लिए समर्पित होकर सबके विकास को गति देता है। कहा गया है कि संत की पहचान इस बात में नहीं है कि उसे शास्त्रों का कितना अधिक ज्ञान है, बल्कि उसके द्वारा लोकहित में किये गए कार्य उसे सच्चा संत बनाते हैं। सच्चे संत का इस संसार में बड़ा महत्व है, क्योंकि वह ईश्वर का एक प्रतिनिधि होता है, सच्चा संत का पूरा जीवन ईश्वर को समर्पित होता है।

संपादकीय

उच्च शिक्षा में समानता बनाम निष्पक्षता

उच्च शिक्षा किसी भी लोकतांत्रिक समाज की रीढ़ होती है। विश्वविद्यालय केवल उपाधि देने वाली संस्थाएं नहीं, बल्कि ऐसे मंच हैं जहां विचारों की स्वतंत्रता और सामाजिक न्याय के मूल्य आकार लेते हैं। इसी पृष्ठभूमि में, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा 13 जनवरी 2026 को अधिसूचित ''उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता का प्रोत्साहन नियम, 2026'' चर्चा के केंद्र में हैं। इन नियमों का घोषित उद्देश्य जाति आधारित

भेदभाव को रोकना और वंचित वर्गों को संरक्षण देना है, लेकिन इनके कुछ प्रावधानों को लेकर देश भर में तीखा विरोध भी हो रहा है। सरकार और यूजीसी का तर्क है कि परिसरों में भेदभाव की घटनाएं कोई कल्पना नहीं हैं। रोहित वेमुला और पायल तडवी जैसे मामलों ने राष्ट्रीय स्तर पर जवाबदेही का सवाल उठाया था। नए नियमों के तहत हर कॉलेज में 'इक्वल अपॉर्च्युनिटी सेंटर' और 'इक्वालिटी कमेटी' बनाने का प्रस्ताव एक सकारात्मक कदम है। यह उन छात्रों को औपचारिक मंच प्रदान करता है जिनकी आवाज अब तक दबा दी जाती थी। सख्त प्रावधानों, जैसे अनुदान रोकने या मान्यता रद्द करने का उद्देश्य यह संदेश देना है कि अब जातीय भेदभाव को हल्के में नहीं लिया जाएगा। हालांकि, इन नियमों का विरोध केवल राजनीतिक नहीं है, बल्कि इसमें छात्रों और शिक्षाविदों की वास्तविक आशंकाएं जुड़ी हैं। सामान्य श्रेणी के छात्रों का तर्क है कि नियमों की संरचना असंतुलित है। भेदभाव की परिभाषा में केवल कुछ वर्गों को ही पीड़ित माना गया है, जिससे यह संदेश जाता है कि एक वर्ग संभावित अपराधी और दूसरा संभावित पीड़ित है। किसी भी न्यायपूर्ण व्यवस्था में ऐसी पूर्व-निर्धारित धारणाएं समस्या पैदा कर सकती हैं। सबसे बड़ी चिंता शिकायतों के दुरुपयोग को लेकर है। प्रारंभिक ड्राफ्ट में झूठी शिकायत पर दंड का प्रावधान था, जिसे अंतिम नियमों से हटा दिया गया। आलोचकों का मानना है कि इससे आपसी गुटबाजी और व्यक्तिगत टकरावों में नियमों का गलत इस्तेमाल आसान हो जाएगा। हालांकि वास्तविक पीड़ितों को न्याय दिलाना अनिवार्य है, लेकिन शिकायतकर्ता की कोई जवाबदेही न होना जांच की निष्पक्षता पर सवाल उठाता है। इक्वालिटी कमेटी की संरचना भी विवादों में है। इसमें अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग और दिव्यांगों का प्रतिनिधित्व सही है, लेकिन सामान्य श्रेणी के किसी सदस्य की अनिवार्यता न होना एकतरफा दृष्टिकोण को जन्म दे सकता है। विविधता का वास्तविक उद्देश्य सभी दृष्टिकोणों को स्थान देना होता है। इसके अतिरिक्त, 24 घंटे के भीतर बैठक और सख्त समयसीमा का दबाव कॉलेज प्रशासन की अकादमिक स्वायत्तता को प्रभावित कर सकता है। दंड के भय से संस्थान गुणवत्ता के बजाय जोखिम से बचने की नीति अपना सकते हैं। एक कानूनी बहस यूजीसी के अधिकार क्षेत्र पर भी है। क्या यूजीसी एक्ट 1956 उसे सामाजिक उत्पीड़न जैसे मुद्दों पर सीधे नियम बनाने की शक्ति देता है? यह मामला अब न्यायपालिका के अधीन है। अंततः, समस्या एकतरफा नहीं है। **-राकेश जैन गोदिक**

परिदृश्य

आर्थिक दिशा और नीतिगत पूर्वानुमान

डॉ. वरिंदर भाटिया

1 फरवरी 2026 को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण संसद में लगातार नौवां बजट पेश करेंगी। इस बार बजट रविवार को पेश होना एक विशेष संयोग है। पिछले वर्ष सरकार ने 12 लाख रुपये तक की आय को कर मुक्त कर मध्यम वर्ग को बड़ी राहत दी थी, जिससे इस बार जन-आकांक्षाएं और बढ़ गई हैं। राष्ट्रपति के आह्वान पर संसद का बजट सत्र दो हिस्सों (28 जनवरी से 2 अप्रैल) में आयोजित होगा, जिसमें देश की आर्थिक दिशा तय करने वाले कई महत्वपूर्ण विधेयक पारित होने की उम्मीद है।

प्रमुख प्राथमिकताएं: रोजगार और कौशल विकास

आगामी वित्तीय वर्ष में अर्थव्यवस्था के और अधिक गति पकड़ने की उम्मीद है। संभावना है कि बजट का मुख्य केंद्र बिंदु पूंजीगत व्यय, राजकोषीय अनुशासन और आर्थिक वृद्धि पर होगा। विशेष रूप से रोजगार सृजन और कौशल विकास को प्राथमिकता दी जाएगी ताकि युवाओं के लिए अवसर बढ़ें। विनिर्माण क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने और लघु एवं निर्यात-आधारित उद्योगों को समर्थन देने के लिए बड़े सुधारों की घोषणा हो सकती है। कृषि क्षेत्र में समन्वित सहायता और नवाचार पर जोर रहने की उम्मीद है ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल सके।

राजस्व और राजकोषीय गणित

अनुमान है कि वित्तीय वर्ष 2027 में 'सकल कर राजस्व' 9.6% की दर से बढ़ेगा, जो 10.1% की अनुमानित 'नाममात्र सकल घरेलू उत्पाद' वृद्धि के अनुरूप है। हालांकि, अप्रत्यक्ष करों पर दबाव बना रह सकता है, लेकिन तंबाकू उत्पादों पर बढ़ी उत्पाद शुल्क दरों से संग्रह को सहारा मिलने का अनुमान है। गैर-कर राजस्व के मोर्चे पर, भारतीय रिजर्व बैंक से मिले लाभांश ने सरकार को बड़ी राहत दी है। हालांकि, अगले वर्ष इसके घटकर 2 से 2.5 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष 2.7 लाख करोड़ रुपये था। पूंजीगत व्यय के मामले में सरकार की रणनीति सुदृढ़ बनी रहेगी; इसके 10% बढ़कर 12.3 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की संभावना है।

चुनौतियां और घाटा प्रबंधन

राजकोषीय घाटे को काबू में रखना सरकार के लिए प्राथमिकता होगी। अनुमान है कि चालू वित्तीय वर्ष में राजस्व व्यय में 1.7 लाख करोड़ रुपये की कटौती कर घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के 4.4% तक सीमित रखा जाएगा। आगामी बजट में इसे 4.2% से 4.3% के बीच रखने का लक्ष्य तय हो सकता है। बाजार उधारी 16 से 17 लाख करोड़ रुपये के बीच रहने की उम्मीद है। हालांकि, विनिवेश के मोर्चे पर प्रदर्शन अब तक सुस्त रहा है, जो चिंता का विषय है।

मध्यम वर्ग और कृषि की उम्मीदें

पिछले बजट में कृषि को 'अर्थव्यवस्था का इंजन' बताया गया था और किसान क्रेडिट कार्ड की ऋण सीमा 5 लाख रुपये तक बढ़ाई गई थी। हालांकि, कपास उत्पादकता अभियान जैसे कई एलान अब भी पूर्ण क्रियान्वयन की राह देख रहे हैं। बजट 2026-27 में मध्यम वर्ग, श्रमिकों और व्यापारियों को सस्ता ऋण और सरल कर नियमों की आस है।

डायबिटीज और खून की गंदगी का रामबाण इलाज

मीठा होकर भी शरीर से 'शक्कर' चूस लेता है यह फल

डॉ. पीयूष त्रिवेदी (आयुर्वेद विशेषज्ञ)

आमतौर पर हम बादाम, काजू और अखरोट के फायदों की चर्चा करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक ऐसा फल भी है जो स्वाद में मीठा होने के बावजूद 'शुगर' जैसी गंभीर बीमारी को नियंत्रित करने की शक्ति रखता है? यह फल है– अंजीर इसे ताजे फल और ड्राई फ्रूट, दोनों रूपों में खाया जाता है।

खून से ग्लूकोज की 'गंदगी' को करता है साफ

हमारे शरीर की हर कोशिका को ऊर्जा के लिए ग्लूकोज की आवश्यकता होती है, लेकिन जब रक्त में इसकी मात्रा जरूरत से ज्यादा हो जाती है, तो यह एक 'गंदगी' की तरह काम करने लगती है और डायबिटीज का रूप ले लेती है। मेडिकल रिपोर्ट्स के अनुसार, अंजीर एक अत्यंत पौष्टिक फल है जो रक्त में मौजूद अतिरिक्त ग्लूकोज को निकालने की क्षमता बढ़ाता है और हाई ब्लड शुगर को प्रभावी ढंग से कम करता है।

लो-ग्लाइसेमिक इंडेक्स का कमाल

ताजे अंजीर का ग्लाइसेमिक इंडेक्स 52 और सूखे अंजीर का 62 के आसपास होता है। यह 'लो' से 'मॉडरेट' रेंज में आता है। ऐसे खाद्य पदार्थों की सबसे बड़ी खूबी यह होती है कि इन्हें खाने के बाद रक्त में शुगर का स्तर अचानक और तेजी से नहीं बढ़ता।

फाइबर का खजाना: कब्ज से भी दिलाए राहत

यदि आप कब्ज से परेशान हैं, तो अंजीर आपके लिए वरदान है। इसमें प्रचुर मात्रा में 'सॉल्यूबल' और 'डाइटरी फाइबर' होता है। यह न केवल पाचन तंत्र को दुरुस्त करता है और पेट साफ रखता है, बल्कि शुगर के मेटाबॉलिज्म को भी धीमा करता है, जिससे ब्लड शुगर स्थिर बनी रहती है।

सेवन का सही तरीका: पानी में भिगोकर खाएं

आयुर्वेद के अनुसार, रात भर पानी में भिगोकर रखी गई अंजीर का सेवन करना सबसे अधिक फायदेमंद है।

फायदा: भीगने के बाद सूखे अंजीर मुलायम और सुपाच्य हो जाते हैं।

पोषण: इससे शरीर को सभी पोषक तत्व आसानी से मिल जाते हैं।

हड्डियां: नियमित सेवन से हड्डियां भी मजबूत होती हैं।

संपर्क : डॉ. पीयूष त्रिवेदी
(एक्यूप्रेशर सेवा समिति, जयपुर) 9828011871

जैनाचार्य विनीत सागर महाराज का 18वां आचार्य पदारोहण दिवस कामां में संपन्न

तेरह परिवारों ने की गुरु पूजन; मुनि अर्पण सागर महाराज का मनाया गया प्रथम दीक्षा दिवस

कामां (भरतपुर). शाबाश इंडिया। सकल दिगंबर जैन समाज कामवन (कामां) द्वारा विजय मती त्यागी आश्रम में विराजमान जैनाचार्य श्री विनीत सागर महाराज का 18वां आचार्य पदारोहण दिवस एवं मुनि श्री अर्पण सागर महाराज का प्रथम दीक्षा दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इस दोहरे गौरवशाली अवसर पर समाज द्वारा विभिन्न मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुआ शुभारंभ

जैन समाज के अध्यक्ष अनिल जैन लहसरिया ने बताया कि कार्यक्रम का आरंभ बच्चों द्वारा दी गई मनोहारी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुआ। इसके पश्चात जैन समाज समिति द्वारा आचार्य श्री के चित्र का अनावरण किया गया। दीप प्रज्ज्वलन का सौभाग्य शिखर चंद एवं चंद्र कुमार जैन बड़जात्या परिवार को प्राप्त हुआ।

कांटों के ताज के समान है दिगंबर चर्या

समारोह को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विनीत सागर महाराज ने कहा कि वर्तमान भौतिकवादी युग में दीक्षा लेना तो सरल है, किंतु उसे पूर्ण पवित्रता के साथ निभाना 'कांटों के ताज' पहनने के समान है। उन्होंने कहा कि आज के आधुनिक समय में दिगंबर संतों की कठिन साधना और भी दुर्लभ हो गई है।

रोटरी क्लब ने गरिमा के साथ मनाया गणतंत्र दिवस; राष्ट्र सेवा का लिया संकल्प

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

देश के राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस को रोटरी क्लब अशोकनगर द्वारा रोटरी भवन में अत्यंत गरिमामय और उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस कार्यक्रम में रोटरी क्लब के साथ-साथ इनर व्हील क्लब की सदस्याओं ने भी सक्रिय सहभागिता की।

ध्वजारोहण और राष्ट्रगान

समारोह का मुख्य आकर्षण ध्वजारोहण रहा। रोटरी अध्यक्ष अजीत जैन ने तिरंगा फहराया और राष्ट्रध्वज को सलामी दी। इसके पश्चात सभी उपस्थित सदस्यों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाया, जिससे पूरा वातावरण देशभक्ति के रंग में रंग गया।

वक्ताओं ने रखे विचार

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न वक्ताओं ने राष्ट्र निर्माण और नागरिकों के कर्तव्यों पर अपने विचार साझा किए:

रोशन कोहली (वरिष्ठ रोटेरियन): उन्होंने गणतंत्र की महत्ता और लोकतांत्रिक मूल्यों पर प्रकाश डाला।

सुभाष जैन 'कैंची': उन्होंने सभी सदस्यों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए आपसी भाईचारे का संदेश दिया।

डॉ. राकेश जैन: उन्होंने नागरिकों के कर्तव्यों की व्याख्या करते हुए सभी उपस्थित जनों से राष्ट्र सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने का आह्वान किया।

सुधीर गुप्ता: उन्होंने देश की सीमाओं पर तैनात सैनिकों को नमन किया और राष्ट्रप्रेम से ओत-प्रोत कविता का पाठ कर सभी में जोश भर दिया।

प्रमुख सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति

इस अवसर पर वरिष्ठ रोटेरियन बी.डी. गुप्ता, सुभाष जैन 'कैंची' बीड़ी, राजेन्द्र सडाना, विजय चौधरी, प्रदीप मनोरिया, नितिन कांसल, माधवसिंह रघुवंशी, विष्णु अग्रवाल, मनोज सोनी, मोहित मनोरिया, विनोद सोनी और शिवगणेश सहित रोटरी एवं इनर व्हील क्लब के अनेक सदस्य उपस्थित थे। सभी ने एकजुट होकर देश की उन्नति और प्रगति के लिए काम करने का संकल्प लिया।

तिरंगे के रंगों में सजा विजयवर्गीय महिला मंडल का गणतंत्र दिवस समारोह

ऑफिसर्स क्लब में कपल्स ने फ्रेंडशिप बैंड बांधकर दिया राष्ट्रीय एकता का संदेश

जयपुर. शाबाश इंडिया। विजयवर्गीय (वैश्य) महिला मंडल द्वारा मालवीय नगर स्थित ऑफिसर्स क्लब में गणतंत्र दिवस का पावन पर्व हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस विशेष आयोजन में समाज के कपल्स ने बड़ी संख्या में भाग लेकर अपनी राष्ट्रभक्ति का प्रदर्शन किया।

आयोजन के दौरान देशभक्ति गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिससे वातावरण राष्ट्रप्रेम की भावना से ओत-प्रोत हो गया। इसके अतिरिक्त, गणतंत्र दिवस की थीम पर आधारित कई रोचक और मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया। समाज के कपल्स ने इन खेलों में पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया, जिससे राष्ट्रीय पर्व की खुशी और अधिक बढ़ गई।

तिरंगा थीम पर आधारित ड्रेस कोड

कार्यक्रम को विशेष बनाने के लिए तिरंगे की थीम पर आधारित ड्रेस कोड रखा गया था। जहाँ पुरुष सदस्य श्वेत वस्त्रों में नजर आए, वहीं महिला सदस्यों ने केसरिया और हरे रंग के परिधानों से पूरे परिसर को राष्ट्रीय रंगों में सराबोर कर दिया। सभी उपस्थित सदस्यों ने एक-दूसरे को तिरंगे के रंगों वाले फ्रेंडशिप बैंड बांधकर देशप्रेम और आपसी सौहार्द का संदेश दिया।

मनोरंजक खेल और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

आयोजन के दौरान देशभक्ति गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिससे वातावरण राष्ट्रप्रेम की भावना से ओत-प्रोत हो गया। इसके अतिरिक्त, गणतंत्र दिवस की थीम पर आधारित कई रोचक और मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया। समाज के कपल्स ने इन खेलों में पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया, जिससे राष्ट्रीय पर्व की खुशी और अधिक बढ़ गई।

समाज की गरिमामयी उपस्थिति

महिला मंडल की अध्यक्ष शकुन्तला विजयवर्गीय के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में शकुन्तला आनंद, निर्मला रामअवतार, चमन विजय कुमार, सरिता महेन्द्र, कविता दीपक, कुसुम राजेंद्र, मंजू अजय कुमार, सुनिता श्रीकृष्ण, सुनीता सुधीर, संगीता अशोक, नीरू प्रेमचन्द, सुनीता, स्वप्निल मनोज एवं मनीषा मनीष सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सामूहिक सहभोज के साथ हुआ। यह आयोजन समाज में राष्ट्रीय चेतना और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने वाला एक प्रेरणादायी उदाहरण सिद्ध हुआ।

जकार्ता में गूंजा 'आरंभ है प्रचंड'

विदेशी धरती पर भारतीयों ने रचा राष्ट्रभक्ति का इतिहास

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा / जकार्ता। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में एक ऐसा अभूतपूर्व और ऐतिहासिक सांस्कृतिक महोत्सव संपन्न हुआ, जिसने सात समंदर पार राष्ट्रभक्ति की एक नई परिभाषा लिख दी। 'वंदे मातरम्' की विजय-गाथा के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित इस विराट समारोह में 151 प्रतिभागियों ने अपनी सुरीली प्रस्तुतियों से

जकार्ता की फिजाओं को देशप्रेम के रंग में सराबोर कर दिया।

राष्ट्रप्रेम की अंतरराष्ट्रीय गूँज

शक्ति डीसी लायन मधु ललित बाहेती ने बताया कि बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम ने राष्ट्रप्रेम की ध्वजा को अंतरराष्ट्रीय मंच पर गौरवान्वित किया है। मंच से उठे हर स्वर में मातृभूमि की महिमा और समर्पण का भाव था। एकल और सामूहिक गायन की प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह के रोम-रोम में गर्व का संचार कर दिया। इस ऐतिहासिक संध्या का प्रभाव ऐसा था कि जकार्ता के प्रमुख टेलीविजन चैनलों और सोशल मीडिया मंचों पर इसकी गूँज सुनाई दी।

साधना, संवेदना और समर्पण का संगम

जकार्ता गीत मंडल की ओर से कलाकारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा गया कि यह संध्या केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामूहिक संगीत साधना और राष्ट्रप्रेम का सजीव प्रतिबिंब बन गई। माँ सरस्वती की वंदना और राष्ट्रगान की गूँज के साथ जब महोत्सव का आरंभ हुआ, तो उपस्थित जनसमूह ने एक दिव्य अनुभूति का साक्षात्कार किया। आयोजकों ने मंच पर गूँजने वाली हर लय और पर्दे के पीछे किए गए हर परिश्रम को इस सफलता का आधार बताया।

कुशल प्रबंधन और सहयोग

इस भव्य आयोजन के सफल प्रबंधन का संपूर्ण उत्तरदायित्व किरण एवं अरविंद कुमार लड्ढा तथा उनके परिवार ने निभाया। वहीं, दीवांश सक्सैना और उनके परिवार ने पूर्ण समर्पण भाव से इसे सफलता के शिखर तक पहुँचाया। आयोजन को भारतीय दूतावास और राजदूत आवास का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। दूतावास के वरिष्ठ अधिकारी पूरे समय उपस्थित रहकर इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने।

सांस्कृतिक मंच के रूप में उभरा जकार्ता गीत मंडल

इंडोनेशिया संघ के कार्यकर्ताओं ने भविष्य में भी ऐसे राष्ट्रप्रेरक कार्यक्रमों के नियमित आयोजन का संकल्प लिया। इस महोत्सव ने सिद्ध कर दिया कि जकार्ता गीत मंडल अब संघ विचार परिवार के एक प्रभावी और सशक्त सांस्कृतिक मंच के रूप में उभर चुका है। संगीत रसिकों ने भावभीनी तालियों से कलाकारों का उत्साहवर्धन किया और इस अविस्मरणीय आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया। जकार्ता की इस संध्या ने यह प्रमाणित कर दिया कि जब सुर, साधना और राष्ट्रप्रेम मिलते हैं, तब ऐसा इतिहास रचता है जो सदियों तक स्मृतियों में जीवित रहता है।

भीलवाड़ा में भक्ति का महाकुंभ

शांति भवन में होगा प्रवर्तक सुकन मुनि महाराज का ऐतिहासिक होली चातुर्मास

सोजत में हुई मंगल घोषणा; भीलवाड़ा के श्रावकों की वर्षों पुरानी प्रतीक्षा हुई पूर्ण

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

वस्त्र नगरी भीलवाड़ा के श्रावकों की वर्षों पुरानी प्रतीक्षा मंगलवार को उस समय पूर्ण हुई, जब सोजत स्थित गुरुसेवा समिति में विराजमान प्रवर्तक सुकन मुनि महाराज एवं उपप्रवर्तक अमृत मुनि महाराज ने आगामी होली चातुर्मास भीलवाड़ा के शांति भवन में करने की ऐतिहासिक घोषणा की। पाँच वर्षों के लंबे अंतराल के बाद भीलवाड़ा की धर्मधरा पर होने वाले इस महाप्रवास से जैन समाज में हर्ष की लहर दौड़ गई है।

शिष्टमंडल का करबद्ध निवेदन और स्वीकृति

मंगलवार को सोजत स्थित मरुधर केसरी

गुरुसेवा समिति में प्रवर्तक सुकन मुनि, उपप्रवर्तक अमृत मुनि, युवाप्रणेता महेश मुनि, बालयोगी अखिलेश मुनि एवं युवा मनीषी डॉ. वरुण मुनि आदि ठाणा के दर्शनार्थ भीलवाड़ा शांति भवन श्रीसंघ का एक उच्चस्तरीय शिष्टमंडल पहुँचा। संरक्षक नवरतनमल बंब, अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद चीपड़, कंवरलाल सूरिया, मंत्री नवरतनमल भलावत एवं उपाध्यक्ष सुशील चपलोत सहित पदाधिकारियों ने प्रवर्तक श्री से करबद्ध निवेदन किया कि वे आगामी होली चातुर्मास भीलवाड़ा में कर समाज को कृतार्थ करें।

संघ की एकजुटता

शिष्टमंडल की निष्ठा और भीलवाड़ावासियों की गहन श्रद्धा को देखते हुए प्रवर्तक श्री ने सहर्ष स्वीकृति प्रदान की। इस अवसर पर उन्होंने शांति भवन श्रीसंघ की सराहना करते हुए कहा कि यहाँ की कार्यप्रणाली और अनुशासन अनुकरणीय है। ''श्रावकों के हृदय में बसी अटूट गुरुभक्ति ही मुझे बार-बार भीलवाड़ा आने के लिए प्रेरित करती है।''

आत्म-शुद्धि और धर्म-प्रभावना का पर्व

उपप्रवर्तक अमृत मुनि महाराज ने मंगल संदेश में कहा कि भीलवाड़ा की भूमि भक्ति और शक्ति का अनुपम संगम है। उन्होंने कहा कि होली चातुर्मास केवल एक प्रवास नहीं, बल्कि आत्म-शुद्धि और साधना का महापर्व है। उन्होंने आह्वान किया कि सभी मिलकर इस आयोजन को ऐसा भव्य स्वरूप दें कि इसकी गूँज सम्पूर्ण मेवाड़ अंचल को आलोकित कर सके। साथ ही, उन्होंने आगामी समय में युवाचार्य महेन्द्र ऋषि जी आदि ठाणा के चातुर्मास से धर्म की अविरल धारा बहने की बात भी कही।

सोजत में हुआ भव्य स्वागत

प्रवक्ता सुनील चपलोत ने बताया कि सोजत पहुँचने पर शांतिभवन श्रीसंघ के पदाधिकारियों का पदमचंद धोका, प्रवीण बोहरा एवं महावीरचंद लुकड़ आदि द्वारा शॉल एवं माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। चातुर्मास की घोषणा होते ही भीलवाड़ा में मंगल गीतों और उत्साह का वातावरण बन गया है।

वर्णी ग्राम हंसेरा में गणतंत्र दिवस का भव्य आयोजन

बुंदेलखंड के गांधी को किया नमन

सक्रिय कार्यकर्ताओं और प्रतिभावान छात्रा का हुआ सम्मान; वर्णी स्मारक पर गूँजा राष्ट्रगान

हंसेरा (मड़ावरा). शाबाश इंडिया

वर्णी संस्थान विकास सभा जनकल्याण समिति एवं विचार संस्था, सागर के संयुक्त तत्वावधान में गणतंत्र दिवस का राष्ट्रीय पर्व वर्णी ग्राम हंसेरा में उत्साहपूर्वक मनाया गया। वर्णी स्मारक पर आयोजित इस गरिमामय समारोह में न केवल ध्वजारोहण हुआ, बल्कि समाज सेवा और शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय विभूतियों का सम्मान भी किया गया।

सैकड़ों ग्रामीणों की उपस्थिति में ध्वजारोहण

सोमवार को आयोजित मुख्य कार्यक्रम में वर्णी संस्थान के संरक्षक डॉ. पी.सी. जैन (महामंत्री, उदासीन आश्रम) एवं डॉ. शिखर चंद जैन (मड़ावरा) ने संयुक्त रूप से झंडारोहण किया। राष्ट्रगान के दौरान पूरा वातावरण देशभक्ति से सराबोर हो गया। बच्चों ने ध्वज के सम्मान में आकर्षक रंगोली बनाई और देशभक्ति गीतों व गगनभेदी नारों से ग्राम को गुंजायमान कर दिया। संस्था द्वारा सामाजिक क्षेत्र में सक्रियता और स्मारक के संरक्षण हेतु समर्पित कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया। सम्मानित होने वाली विभूतियों में डॉ. पी.सी. जैन, डॉ. शिखर

चंद जैन, डी.के. सराफ, राजीव जैन (मड़ावरा), अनिल जैन (भोपाल) और सरपंच छत्रपाल सिंह शामिल रहे। कार्यक्रम में विशेष रूप से कक्षा 10वीं की प्रतिभावान छात्रा रुक्मणी को उसकी शैक्षणिक उपलब्धि के लिए पुरस्कृत किया गया।

'शिक्षा के क्षेत्र में वर्णी जी का योगदान अतुलनीय'

मुख्य अतिथि डॉ. पी.सी. जैन ने संबोधित करते हुए कहा कि वर्णी जी ने भले ही इस ग्राम में जन्म लिया हो, लेकिन आज पूरे देश में वे 'शिक्षा के अग्रदूत' के रूप में जाने जाते हैं। विशिष्ट अतिथि डॉ. शिखर चंद्र जैन और डी.के. सराफ ने बताया कि वर्णी जी ने 100 से अधिक विद्यालयों की स्थापना की। वे 'बुंदेलखंड के गांधी' के नाम से प्रसिद्ध रहे और स्वतंत्रता संग्राम में भी उनकी सक्रिय सहभागिता रही।

सफल आयोजन हेतु दी बधाई

कार्यक्रम का संचालन मनीष विद्यार्थी एवं राजकुमार जैन कर्द ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन महामंत्री कैलाशचंद्र जैन टीला द्वारा किया गया। इस सफल आयोजन पर स्मारक के अधिष्ठाता पं. जीवंधर शास्त्री (जबलपुर), राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत जैन शास्त्री और मुख्य संयोजक चंद्रेश शास्त्री (भोपाल) ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी।

गणतंत्र दिवस पर रोटरी क्लब सिटीजन द्वारा गांधी नगर राजकीय औषधालय को चिकित्सा उपकरण भेंट

जयपुर. शाबाश इंडिया

देश के 77वें गणतंत्र दिवस के पावन एवं गौरवशाली अवसर पर रोटरी क्लब सिटीजन ने सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन करते हुए गांधी नगर स्थित राजकीय औषधालय में जनहितार्थ चिकित्सा उपकरणों का वितरण किया। इस अवसर पर क्लब की ओर से औषधालय को 8 ब्लोअर एवं 1 गीजर भेंट किए गए। क्लब अध्यक्ष संजय अग्रवाल एवं चार्टर अध्यक्ष सुधीर जैन गोधा ने बताया कि यह सेवा-कार्य समाज के प्रति क्लब की संवेदनशीलता तथा मानवता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों के माध्यम से जरूरतमंदों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराना क्लब का निरंतर उद्देश्य रहा है। क्लब सचिव आशीष बैद एवं कोषाध्यक्ष अजय जैन ने जानकारी दी कि यह कार्यक्रम सोमवार, 26 जनवरी 2026 को प्रातः 10:00 बजे, गांधी नगर राजकीय औषधालय, जयपुर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्लब सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन की गरिमा को और अधिक बढ़ाया। इस अवसर पर क्लब द्वारा अपने सम्मानित सदस्य श्री अजय जी गंगवाल एवं श्रीमती राखी गंगवाल के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया गया, जिनके उदार सहयोग से यह सेवा-कार्य संभव हो सका। रोटरी क्लब सिटीजन ने भविष्य में भी इसी प्रकार के जनसेवा एवं समाजोपयोगी कार्य निरंतर करते रहने का संकल्प दोहराया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

गणतंत्र दिवस पर श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में ध्वजारोहण

कोलकाता. शाबाश इंडिया

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 26 जनवरी को देशभर में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इसी क्रम में सोमवार प्रातः 8:30 बजे श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर (छत पर), डबसन, हावड़ा, कोलकाता में गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाज के गणमान्य नागरिकों एवं बड़ी संख्या में स्थानीय जैन समाज के लोगों ने सहभागिता की। उपस्थितजनों ने राष्ट्रध्वज को सलामी दी और देश की एकता, अखंडता एवं संविधान के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त की। स्थानीय जैन समाज की सक्रिय एवं उत्साहपूर्ण उपस्थिति ने इस राष्ट्रीय पर्व को और अधिक गरिमामय एवं उल्लासपूर्ण बना दिया। इस आयोजन को सफल बनाने में मिलाप जी गंगवाल, बसंत जी सेठी, शैलेश जी गंगवाल, नितेश जी जैन, विनीत जी जैन, मंजू जी पांड्या, सारिका छाबड़ा एवं बबीता सेठी का विशेष सहयोग रहा।

सुबोध ग्लोबल स्कूल में राष्ट्रप्रेम और उत्साह के साथ मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री एस.एस. जैन सुबोध शिक्षा समिति, जयपुर द्वारा वर्ष 2025 में नवनिर्मित सुबोध ग्लोबल स्कूल, बड़ के बालाजी, अजमेर हाईवे, धानक्या रोड पर 77वां गणतंत्र दिवस समारोह अत्यंत हर्षोल्लास एवं देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। यह समारोह समिति के तत्वावधान में आयोजित हुआ, जिसमें समिति के अंतर्गत संचालित सभी संस्थाओं ने सामूहिक रूप से भागीदारी निभाई। एस.एस. जैन सुबोध शिक्षा समिति एक सदी से अधिक की गौरवशाली यात्रा पूर्ण कर निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। वर्तमान में समिति के अंतर्गत 22 शिक्षण संस्थाएं संचालित हैं, जिनमें प्ले ग्रुप से लेकर स्नातकोत्तर स्तर तक की शिक्षा प्रदान की जा रही है। समिति की संस्थाओं का परीक्षा परिणाम सदैव शत-प्रतिशत रहता है तथा विश्वविद्यालय की वरीयता सूची में भी संस्थाएं निरंतर स्थान प्राप्त कर रही हैं। नवीन सुबोध ग्लोबल स्कूल में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप फुटबॉल, क्रिकेट, एथलेटिक्स हेतु एस्ट्रोटर्फ खेल मैदान विकसित किए गए हैं। साथ ही टेनिस के लिए डबल क्ले कोर्ट एवं स्क्वैश कोर्ट भी उपलब्ध कराए गए हैं। विद्यालय पूर्णतः वाई-फाई, सेंट्रली एयर-कंडीशंड परिसर, स्मार्ट बोर्ड से युक्त कक्षा-कक्ष, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सुविधाएं, एवी थिएटर एवं आधुनिक कंप्यूटर लैब से सुसज्जित है। वर्तमान में सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया सतत जारी है। गणतंत्र दिवस समारोह का शुभारंभ प्रातः 10:30 बजे मुख्य अतिथि माननीय न्यायाधिपति श्री अनुरूप जी सिंघी द्वारा ध्वजारोहण के साथ किया गया। इसके पश्चात विभिन्न संस्थाओं के विद्यार्थियों ने आकर्षक मार्च-पास्ट एवं परेड का प्रदर्शन किया, जिसने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके उपरांत खेल मंडप में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला प्रस्तुत की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीतों, नृत्य प्रस्तुतियों एवं लघु नाटकों के माध्यम से भारतीय संस्कृति की विविधता और स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग-बलिदान को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष श्री नवरत्न जी कोठारी, मानद मंत्री श्री सुमेर सिंह बोथरा, उपाध्यक्ष श्री आर.सी. जैन तथा सहमंत्री एवं कोषाध्यक्ष श्री विनोद जी लोढ़ा ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और समाज के सदस्यों की भारी उपस्थिति की सराहना की। समारोह में सुबोध के समस्त पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सुव्यवस्थित संचालन हेतु समिति स्तर पर नियुक्त कार्यक्रम संयोजक श्री राजेन्द्र कुमार जैन 'राजा', सदस्य श्री आलोक बम्ब, श्री संजीव कोठारी, श्रीमती कमलजीत यादव एवं श्री उपेन्द्र बोथरा सहित पूरी टीम की व्यवस्थाओं की सभी ने भूरी-भूरी प्रशंसा की। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। तत्पश्चात मुख्य अतिथि द्वारा खेल मैदान के समीप वृक्षारोपण किया गया तथा परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर का भी अवलोकन किया गया।

ऐलनाबाद में गणतंत्र दिवस की धूमः मेयर प्रवीण पोपली ने फहराया तिरंगा

स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों और पत्रकारों का हुआ सम्मान; स्कूली बच्चों ने बिखेरी सांस्कृतिक छटा

ऐलनाबाद. शाबाश इंडिया

77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर स्थानीय राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में उपमंडल स्तरीय समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हिसार नगर निगम के मेयर प्रवीण पोपली ने ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली।

शहीद परिवारों और प्रतिभाओं का अभिनंदन

समारोह के दौरान मुख्य अतिथि ने देश की आजादी के लिए सर्वस्व न्योछावर करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों के परिजनों को शॉल भेंट कर सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त, उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों और सामाजिक संस्थाओं को भी पुरस्कृत किया गया। विशेष रूप से, 'चंडीगढ़ एंड हरियाणा यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स' के सदस्यों को मेयर प्रवीण पोपली, एसडीएम पारस भगोरिया और एएसपी फैजल खान द्वारा सम्मानित किया गया।

विकास के पथ पर अग्रसर है हरियाणा

समारोह को संबोधित करते हुए मेयर प्रवीण पोपली ने कहा कि भारत आज विश्व पटल पर एक बड़ी शक्ति के रूप में उभरा है। इसका श्रेय हमारे वैज्ञानिकों, किसानों और मेहनतकश मजदूरों को जाता है। उन्होंने हरियाणा के योगदान की चर्चा करते हुए बताया कि अंबाला में बना भव्य 'स्वतंत्रता संग्राम स्मारक' हमारे वीरों की याद दिलाता रहेगा। उन्होंने शिक्षा और खेलों में हरियाणा की उपलब्धियों को पूरे देश के लिए अनुकरणीय बताया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम और झांकियों ने मोहा मन

परेड में पुलिस टुकड़ी, एनसीसी (जीवन नगर व सतलुज स्कूल) और विभिन्न विद्यालयों के कैडेट्स ने शानदार मार्च पास्ट किया। स्कूली विद्यार्थियों ने हरियाणवी लोकनृत्य और देशभक्ति गीतों पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विभिन्न विभागों द्वारा निकाली गई झांकियों के माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

गणमान्य जनों की उपस्थिति

इस अवसर पर एसडीएम पारस भागोरिया, एएसपी फैसल खान, मार्केट कमेटी चेयरमैन भगवान सिंह, तहसीलदार रविन्द्र सिंह, तहसीलदार (रानिया) शुभम शर्मा, सचिव सुरेंद्र सैन, अमीरचंद मेहता और नरेश कटारिया सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल ने स्कूली बच्चों संग मनाया गणतंत्र दिवस

जयपुर. शाबाश इंडिया। लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल द्वारा मानसरोवर क्षेत्र के वरुण पथ स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण गरिमामय ध्वजारोहण रहा, जिसमें क्लब की पूर्व अध्यक्ष लायन रानी पाटनी, कोषाध्यक्ष मृदुला जैन, विजिया कोठारी, स्नेह लता जैन और आशा जैन सहित कई गणमान्य अतिथियों ने सहभागिता की। समारोह में वार्ड नंबर 70 के पार्षद रामवतार गुप्ता, स्वावलंबन ग्रुप के के.के. गुप्ता, मुख्यमंत्री द्वारा मनोनीत सदस्य सुरेश मीणा और भाजयुमो अध्यक्ष आशीष पांडे की विशिष्ट उपस्थिति रही। विद्यालय के प्रधानाध्यापक विनोद जैन एवं शिक्षकों ने सभी अतिथियों का माला पहनाकर आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर नन्हे स्कूली बच्चों ने देशभक्ति गीतों पर मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल की ओर से बच्चों के बीच लड्डू, फल, बिस्कुट और चिप्स वितरित किए गए, जिससे बच्चों के चेहरे खिल उठे। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाध्यापक ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। यह आयोजन राष्ट्रभक्ति और सामाजिक सेवा का एक उत्कृष्ट संगम सिद्ध हुआ।

मंदिर का 26वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

नेमी सागर कॉलोनी स्थित श्री नेमिनाथ दिगंबर जैन मंदिर का 26वां स्थापना दिवस भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर जी में प्रातः पंचामृत अभिषेक एवं शांतिधारा की गई, जिसमें सभी के मंगल एवं विश्व शांति की प्रार्थना की गई। श्री नेमिनाथ दिगंबर जैन समाज समिति के अध्यक्ष जे. के. जैन कालाडेरा ने बताया कि स्थापना दिवस समारोह में ध्वजारोहण अश्विनी जी - मधु जी जैन द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वीरेंद्र - प्रेमलता गोधा एवं परिवार द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। विधान के पुण्यार्जक महावीर कुमार - शांति देवी जैन रहे, जबकि मिष्ठान वितरण का सौभाग्य श्रीमती संतोष बाकलीवाल एवं परिवार को प्राप्त हुआ। मंदिर की भव्य रोशनी व सजावट के पुण्यार्जक श्री सुभाष अजमेरा थे। विधान का संचालन विद्वान पंडित प्रद्युम्न शास्त्री द्वारा किया गया। उल्लेखनीय है कि श्री नेमिनाथ दिगंबर जैन मंदिर की स्थापना वर्ष 2000 में की गई थी। इस मंदिर में भगवान नेमिनाथ की काले पाषाण की अत्यंत मनोहारी प्रतिमा विराजमान है। प्रतिमा की अतिशयता और सुंदरता के कारण स्थानीय एवं दूर-दराज के सैकड़ों श्रद्धालु प्रतिदिन यहाँ दर्शन लाभ प्राप्त करते हैं।

आचार्य विद्यासागर जी महाराज का द्वितीय समाधि दिवस मनाया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन संस्कृत शिक्षा समिति द्वारा संचालित दिगंबर जैन छात्रावास (66, मनिहारों का रास्ता) के स्टाफ एवं छात्रों द्वारा श्री दिगंबर जैन मंदिर 'बड़ा दीवान जी' में आचार्य श्री का समाधि दिवस मनाया गया। माघ शुक्ला नवमी के पावन अवसर पर संत शिरोमणि आचार्य भगवन 108 श्री विद्यासागर जी महाराज के द्वितीय समाधि दिवस के उपलक्ष्य में 48 ऋद्धि मंत्रों के साथ 'भक्तांमर दीपार्चना' पाठ का भक्तिमय आयोजन संपन्न हुआ। छात्रावास वार्डन एवं केयरटेकर अमित कुमार जैन ने बताया कि इस अवसर पर छात्रावास के समस्त स्टाफ, छात्रों तथा मोदीखाना एवं चारदीवारी क्षेत्र से आए अनेक श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से आचार्य श्री के चरणों में अपनी विनयांजलि अर्पित की। भक्तिभाव से ओत-प्रोत इस आयोजन में दीपों के साथ की गई अर्चना ने वातावरण को अत्यंत अलौकिक बना दिया।

विशेष बच्चों के साथ गणतंत्र दिवस मनाना अद्भुत आनंद का अनुभव: ए.के. जैन

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रूमेंट्स लिमिटेड के पूर्व प्रबंध निदेशक श्री ए.के. जैन ने कहा कि विशेष बच्चों के साथ गणतंत्र दिवस मनाना एक अद्भुत और हृदयस्पर्शी अनुभव है। वे जगतपुरा स्थित विशेष बच्चों की शिक्षा एवं सर्वांगीण विकास के लिए कार्यरत स्पेशल स्कूल में 77वें गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। संस्था की निदेशक ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि श्री ए.के. जैन एवं प्रसिद्ध समाजसेवी व राजस्थान पब्लिक ट्रस्ट बोर्ड (देवस्थान विभाग) के पूर्व सदस्य श्री बसंत जैन द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुई। इससे पूर्व अतिथियों में शामिल 'अप एजुकेटर्स एकेडमी' की चेयरपर्सन श्रीमती अमिता गर्ग, मिस राजस्थान इंटरनेशनल 2021 वैष्णवी सुथार एवं मिस कर्नाटक 2025 नीरू सिद्धा ने गणेश जी व माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित किया। समारोह में दिव्यांग विद्यार्थियों ने देशभक्ति के गीतों पर अपनी सुमधुर प्रस्तुतियां दीं और आकर्षक नृत्य पेश किया। इस अवसर पर बच्चों द्वारा एक उद्देश्यपूर्ण नाटिका भी प्रस्तुत की गई, जिसकी सभी उपस्थित जनों ने मुक्तकंठ से सराहना की। अतिथि के रूप में बोलते हुए श्री बसंत जैन ने कहा कि संस्था की निदेशक उगंता चौधरी जिस प्रकार एक माँ के रूप में तन-मन-धन से इन बच्चों की सेवा कर रही हैं, वह वंदनीय है। श्री ए.के. जैन व श्री बसंत जैन ने विश्वास दिलाया कि संस्था की आवश्यकताओं को शीघ्र ही पूरा किया जाएगा। साथ ही, उन्होंने समय-समय पर बड़े उद्योगपतियों और सेवाभावी महानुभावों को यहाँ आमंत्रित कर सहयोग दिलाने का संकल्प भी लिया। प्रारंभ में संस्था के पदाधिकारियों व स्टाफ ने अतिथियों का तिलक लगाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। समारोह में डॉ. कमल शर्मा, समाजसेवी मनीष तिवारी, सी.ए. शुभम कट्टा, डिडवानिया रतनलाल चैरिटेबल ट्रस्ट (मुंबई) के प्रकाश व कैलाश जी, रूप सिंह जी, श्रीमती राधा देवी सहित स्थानीय नागरिक व बच्चों के अभिभावक उपस्थित थे।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन का युवक-युवती परिचय सम्मेलन संपन्न, समर्पित नेतृत्व और सामूहिक प्रयासों से बना यादगार आयोजन

इंदौर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन द्वारा विगत दिनों आयोजित परिचय सम्मेलन अत्यंत सुव्यवस्थित, गरिमामय एवं ऐतिहासिक रूप से सफल रहा। यह आयोजन संगठन की एकजुटता, अनुशासन और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर सामने आया। विपरीत परिस्थितियों में भी कुशल नेतृत्वः सम्मेलन की सफलता का मुख्य श्रेय निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राकेश जी विनायका के दूरदर्शी नेतृत्व को जाता है। उल्लेखनीय है कि पैर में फ्रैक्चर के कारण चिकित्सकीय बेडरेस्ट पर होने के बावजूद, उन्होंने डिजिटल माध्यमों से संपूर्ण आयोजन की कमान संभाली और टीम को निरंतर प्रेरित किया।

अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति

परिचय सम्मेलन में इंदौर सांसद श्री शंकर लालवानी एवं विधायक श्रीमती मालिनी गौड़ की विशेष उपस्थिति रही, जिन्होंने आयोजन की मुक्तकंठ से सराहना की। आयोजन को राष्ट्रीय स्वरूप देने में राष्ट्रीय प्रभारी श्री यशकमल जी अजमेरा (जयपुर), श्री जे.के. जैन (कोटा), श्रीमती ममता जी जैन (रायपुर), श्री प्रशांत जी जैन (जबलपुर), श्री राजीव जी गिरधरवाल (भोपाल), श्री संजय जी पापड़ीवाल (इंदौर) एवं श्री प्रदीप जी गंगवाल (इंदौर) ने अपने दायित्वों का उत्कृष्ट निर्वहन किया।

व्यवस्थाओं की प्रशंसा

सभी रीजन अध्यक्षों, सचिवों और ग्रुप सदस्यों ने मंच व्यवस्था, पंजीयन, किट वितरण और भोजन व्यवस्था को अत्यंत सुव्यवस्थित रखा। कार्यक्रम के दौरान ध्वजारोहण, दीप प्रज्वलन, मंडप उद्घाटन, 'परिचय पुष्प' पत्रिका का विमोचन एवं भोजनशाला उद्घाटन जैसे सभी सत्र गरिमामय वातावरण में संपन्न हुए। पत्रिका के संपादक मंडल का परिश्रम इसके आकर्षक स्वरूप में स्पष्ट दिखाई दिया।

मंच संचालन और सजीवता

कार्यक्रम की जीवंतता बनाए रखने में एंकर श्री अनुराग जी जैन (इंदौर) एवं श्रीमती (डॉ.) प्रीति जी जैन (जबलपुर) की प्रभावशाली प्रस्तुति का विशेष योगदान रहा। प्रतिकूल मौसम के बावजूद देश भर से आए प्रत्याशियों और

अभिभावकों के उत्साह ने इस आयोजन को भव्य बना दिया। संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों – श्रीमती पुष्पा-प्रदीप कुमार सिंह जी कासलीवाल (शिरोमणि संरक्षक), श्री मनोहर-मोहिनी जी जैन झांझरी (राष्ट्रीय अध्यक्ष), श्री विनय-अनीता जैन (राष्ट्रीय महासचिव) एवं श्री अश्विन-रुचि जैन कासलीवाल (राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष) – ने सभी सहयोगियों एवं प्रतिभागियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। फेडरेशन के राष्ट्रीय मीडिया संयोजक नितिन जैन ने बताया कि यह सम्मेलन समाज के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा।

ऐसी है मेरी मां...! सिर्फ मेरी मां!!

कर लेना पोतों को दुलार,
अधिकार तेरा, मां कहाँ नहीं है;
किंतु पहले मुझको करले,
मेरा मन अब तक भरा नहीं है।

तेरी गोद की आदत मुझको,
बड़ा हुआ पर छूटी वो ना;
तेरा स्पर्श जो पड़ जाए सिर पर,
नींद तभी प्यारी आती है माँ।

तूने रोका, तूने टोका,
उचित-अनुचित का भेद सिखाया;
सभ्य बना हूँ तेरी सीख से,
किसी और ने नहीं बनाया।

तूने कह दिया जो भी मुख से,
ब्रह्मवाक्य सम बना वही है;
किया न हो जो तेरे मन का,
ऐसा कभी भी हुआ नहीं है।

दूर रहा मैं जब भी तुझसे,
हो चाहे वह एक दिवस ही;
व्याकुल रहा है मन ये मेरा,
पागल सा पर लगा नहीं है।

सृष्टि सुंदर, प्रकृति सुंदर,
अति सुंदर कान्हा जी हैं;
पर मान मेरी–माँ, तुझसे सुंदर
कोई भी तो हुआ नहीं है।

तू हँस दे तो उजला सवेरा,
तू रुषित तो, माँ, शाम घनी है;
तेरा हर्ष ही श्रेष्ठ समय है,
ऋतु शेष कोई नहीं है।

रचयिता: पंकज शर्मा, पूना

जीतो लेडीज विंग का संकल्प: स्वच्छ, सुंदर और हरित भारत की दिशा में सशक्त पहल

'माई बैग, माई स्टाइल' कार्यक्रम का सफल आयोजन

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'प्लास्टिक मुक्त स्वच्छ भारत अभियान' से प्रेरित होकर पर्यावरण संरक्षण और सतत जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जीतो भीलवाड़ा चैप्टर लेडीज विंग द्वारा मंगलवार को 'चौधरी डांगी जीतो हाउस' में 'माई बैग, माई स्टाइल' कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ लेडीज विंग की चेयरपर्सन नीता बाबेल के स्वागत उद्बोधन से हुआ। उन्होंने इस पहल के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारा मुख्य लक्ष्य प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और महिलाओं को पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने बताया कि दैनिक जीवन में पुनः उपयोग योग्य आकर्षक थैलों को अपनाकर हम न केवल प्रकृति को बचा सकते हैं, बल्कि बैग निर्माण से जुड़े लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित कर सकते हैं। आयोजन के माध्यम से महिलाओं को 'चेंज-मेकर' और 'इको-एम्बेसडर' के रूप में समाज में सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश दिया गया। उपस्थित महिलाओं ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए स्वच्छ एवं हरित भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कन्वेनर एवं को-कन्वेनर रचना मेहता, शोभिका खजांची, रजनी सिंघवी, सुमन लोढ़ा, किरण चोरड़िया, सुमन दुग्गड़, सुमता जैन एवं नीतू चोरड़िया का विशेष योगदान रहा। जीतो भीलवाड़ा चैप्टर लेडीज विंग की चीफ सेक्रेटरी अर्चना पाटौदी ने कार्यक्रम को अत्यंत प्रेरणादायक बताते हुए सभी सदस्यों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने भविष्य में भी इसी प्रकार के रचनात्मक एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े आयोजनों का भरोसा दिलाया। इस जागरूकता-प्रधान आयोजन में अमिता बाबेल, दीप्ति अजमेरा, मोनिका रांका, पलक जैन, स्वीटी नैनावटी, कविता नाहर, प्रमिला गोखरू सहित सभी बोर्ड मेंबर्स एवं 100 से अधिक सदस्यों की सक्रिय और उत्साहपूर्ण भागीदारी रही।

भारतीय साहित्य संगम ने मनाया गणतंत्र दिवस

हावड़ा. शाबाश इंडिया

हावड़ा की प्रतिष्ठित संस्था 'भारतीय साहित्य संगम' के तत्वावधान में गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष परिचर्चा एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। 'वैश्विक पटल पर भारत' विषय पर आयोजित इस परिचर्चा में प्रबुद्ध साहित्यकारों ने अपने विचार साझा किए। समारोह की अध्यक्षता करते हुए कृष्णानंद मिश्र ने कहा कि वर्तमान दौर भारतीय गणतंत्र का 'अमृत काल' है, जो हमें आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता का भरोसा दिलाता है। उन्होंने बल दिया कि जहाँ अधिकारों के प्रति जागरूक रहना आवश्यक है, वहीं कर्तव्यों के प्रति जिम्मेदारी का भाव रखना भी परम अनिवार्य है। कार्यक्रम में प्रधान अतिथि सत्य देव मिश्र, मुख्य अतिथि राम शिरोमणि उपाध्याय 'पथिक जौनपुरी' और विशिष्ट अतिथि विद्या प्रसाद साथी ने भी अपने सारगर्भित विचार रखे। कार्यक्रम के प्रथम सत्र का संचालन संस्था अध्यक्ष केशरी कुमार तिवारी ने किया। दूसरे सत्र में आयोजित काव्य गोष्ठी का संचालन प्रदीप कुमार धानुक ने किया। इस सत्र में राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत रचनाओं का पाठ किया गया। काव्य पाठ करने वाले कवियों में नन्दू बिहारी, प्रवेश पटियालवी, मोहम्मद अय्यूब वारसी 'कोलकतवी', जातिब हयाल, अश्वनी कुमार राय, ओमप्रकाश चौबे, कमलापति पाण्डेय 'निडर', कमलेश पाण्डेय, मनोज राजेंद्र मिश्र, डॉ. मनोज मिश्र, रामपुकार सिंह 'पुकार गाजीपुरी', डॉ. राजन रमण और विजय इससर 'वत्स' शामिल रहे। इनकी रचनाओं ने श्रोताओं की खूब तालियाँ बटोरीं। अंत में संस्था सचिव बिहारी लाल चौधरी ने सभी आगंतुकों एवं साहित्यकारों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

राष्ट्रीय बालिका दिवस: बेटियों के सम्मान में चिकित्सा विभाग ने आयोजित किए बहुआयामी कार्यक्रम

बेटियों को दें अच्छी शिक्षा और परवरिश, समाज में रोशन करेंगी परिवार का नाम: एडीएम उम्मेदीलाल मीणा

हनुमानगढ़ (नरेश सिगची). शाबाश इंडिया

राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर शनिवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का गरिमामय आयोजन किया गया। मुख्य समारोह अतिरिक्त जिला कलक्टर श्री उम्मेदीलाल मीणा की अध्यक्षता में राजकीय एएनएम प्रशिक्षण केन्द्र में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ. नवनीत शर्मा, एसीएमएचओ डॉ. अखिलेश शर्मा, आरसीएचओ डॉ. सुनील विद्यार्थी, उद्योग विभाग की महाप्रबंधक श्रीमती आकाशदीप सिद्धू, राजकीय महाविद्यालय एवं एएनएम प्रशिक्षण केन्द्र की प्रिंसीपल श्रीमती राज औलख सहित कई गणमान्य चिकित्सक और विशेषज्ञ उपस्थित रहे। समारोह को संबोधित करते हुए अतिरिक्त जिला कलक्टर उम्मेदीलाल मीणा ने कहा कि बेटियों को बेटों के समान ही अच्छी परवरिश और उच्च शिक्षा देनी चाहिए, क्योंकि वे समाज और परिवार का गौरव हैं। उन्होंने 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में

देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना सुदृढ़ करने हेतु नागरिकों से अपनी सेल्फी अपलोड करने का भी आह्वान किया। सीएमएचओ डॉ. नवनीत शर्मा ने बताया कि कोख में बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पीसीपीएनडीटी एक्ट का सख्ती से पालन करवाया जा रहा है और राज्य सरकार की मुखबिर योजना प्रभावी रूप से संचालित है। डिप्टी सीएमएचओ डॉ. अखिलेश शर्मा ने संतुलित लिंगानुपात को स्वस्थ समाज की पहचान बताते हुए 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसे अभियानों को जन-जन तक पहुँचाने पर जोर दिया। आरसीएचओ डॉ. सुनील विद्यार्थी ने किशोरों के शारीरिक और मानसिक विकास, संतुलित आहार और स्वच्छता के महत्व पर जानकारी दी। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया...

पोस्टर प्रतियोगिता: मोनू (प्रथम), शिक्षा एवं पूजा गोस्वामी (द्वितीय), नितेश मील (तृतीय) और भावना पचार (चतुर्थ)।

रंगोली प्रतियोगिता: कृष्णा कंवर, लवप्रीत, मोनिका, सीता एवं रचना द्वारा बनाई गई भव्य रंगोली को सराहा गया।

पेंटिंग एवं डेकोरेशन: प्रियंका मील, अंकिता, ट्विंकल, अंशु, लविश प्रभाकर और उनकी टीम ने 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' थीम पर आकर्षक पेंटिंग और सजावट की।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां: ईशा, हर्षिका, माया, जश्नदीप और अन्य छात्राओं ने नृत्य प्रस्तुत किया, जबकि हर्षिका व तमन्ना की टीम ने नाटक के माध्यम से संदेश दिया। आरती ने सुमधुर गीत प्रस्तुत किया और मंच संचालन हिमांशी, ट्विंकल व मुस्कान ने किया।

कांदिवली के ठाकुर विलेज में माता की चौकी और नवचंडी महायज्ञ का आठवां दिन संपन्न

हजारों भक्तों ने लिया माता का आशीर्वाद, भजनों से गुंजायमान हुआ माहौल

मुंबई. शाबाश इंडिया

कांदिवली (पूर्व) स्थित ठाकुर विलेज में आयोजित माता की चौकी एवं नवचंडी महायज्ञ के आठवें दिन श्रद्धा और भक्ति का सैलाब उमड़ पड़ा। इस धार्मिक अनुष्ठान में मुंबई के कोने-कोने से हजारों की संख्या में भक्त माता जी के दर्शन एवं आशीर्वाद हेतु कतारों में खड़े नजर आए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से शिवसेना (शिंदे गुट) के उत्तर भारतीय मुंबई उपाध्यक्ष संतोष सिंह, प्रसिद्ध भजन सम्राट कुमार घनश्याम, समाजसेवी राजेश दुबे, वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार लक्ष्मीकांत कमलनयन तथा भोजपुरी अभिनेता अजय दीक्षित उपस्थित रहे। अतिथियों ने माता रानी का आशीर्वाद लिया, जिसके पश्चात मंदिर के पुजारी ने सभी विशिष्ट जनों को अंग-वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।

भक्ति संगीत से महकी शाम

भजन सम्राट कुमार घनश्याम म्यूजिक ग्रुप की टीम ने एक से बढ़कर एक भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो गया। माता जी के

जयकारों से पूरा ठाकुर विलेज गूंज उठा। शास्त्रोक्त विधि-विधान से नवचंडी महायज्ञ और भव्य आरती संपन्न हुई। इसके पश्चात सभी उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया।

आयोजन समिति का आभार

कार्यक्रम के सफल आयोजन में अशोक सिन्हा, त्रिपुरारी चौधरी, राम भाई, शिवकुमार गुप्ता, शैलेश गुप्ता आदि का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में गायक कुमार घनश्याम ने पधारे हुए सभी भक्तों और सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

शोक - सभा

जस्टिस पाना चंद जैन

(19.03.1927- 27.01.2026)

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे पूज्यनीय
काकाजी, जस्टिस श्री पाना चंद जी जैन
का स्वर्गवास दिनांक 27 जनवरी 2026 को हो गया है।
तीये की बैठक दिनांक 29 जनवरी 2026 को
प्रातः 9:00 बजे से 10:00 बजे तक
तोतूका भवन, भट्टारक जी की नासिया, जयपुर में रखी गई है।।

शोकाकुल परिवार

वीरेंद्र-ललिता, स्व.अणु-मीनू (पुत्र-पुत्रवधू) मणि-विजय अजमेरा, शकुन-स्व. टीकेजैन, एकता-प्रदीप श्रीमाल (पुत्री-दामाद) यश-आरुषि, अतिशय-पलक (पौत्र-पौत्रवधू) कृति-गौरव (पौत्री-दमाद) सृष्टि (पौत्री) शिरीश-राशि, अक्षय- समीक्षा, रौनक-मितुषी (दोहिता-दोहिता बहू) श्वेता-नवीन, रुचिका-राहुल, दीपिका-अनुज (दोहिती-दोहिती दामाद) कविश, आव्या, राहिल (प्रपौत्र-प्रपौत्री) सिद्धार्थ, देवेन्द्र, सुरेश, सुनील, हेमन्त (भतीजे) गौरव (पौत्र) एवं समस्त पहाड़िया परिवार।

ससुराल पक्ष : विमल चन्द्र, प्रेम चन्द्र, सुरेश चन्द, आशू एवं समस्त दोसी परिवार (नई दिल्ली)

जेएसजी शेखावाटी के चुनाव संपन्न

संजय विनायक्या अध्यक्ष एवं अभय सेठी बने मंत्री

सीकर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप शेखावाटी के वार्षिक चुनाव बुधवार को जैन भवन में सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुए। चुनाव से पूर्व ग्रुप के सदस्यों की एक साधारण सभा आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता आशिष जयपुरिया ने की। बैठक के प्रारंभ में निवर्तमान मंत्री दीपक संगही ने पिछले वर्ष का प्रगति प्रतिवेदन एवं गतिविधियों का ब्योरा पेश किया। इसके पश्चात चुनाव अधिकारी सौरभ पाटनी के निर्देशन में आगामी वर्ष की कार्यकारिणी के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हुई, जिसमें सभी पदाधिकारियों का चयन सर्वसम्मति से किया गया। चुनाव में संजय-कविता विनायक्या को अध्यक्ष, सुमित-टीना पहाड़िया को उपाध्यक्ष, अभय-दीपाली सेठी को मंत्री, हितेश-अंजू बाकलीवाल को उपमंत्री एवं अंकित-हर्षिका बड़जात्या को कोषाध्यक्ष चुना गया। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में अमित-एकता छाबड़ा, विनोद-प्रीति दीवान, विनय-नेहा कालिका, बंटी-नीलम पिराका, आलोक-श्वेता पाटनी एवं गौतम-टीना काला को चुना गया। ग्रुप के सुचारू संचालन हेतु मार्गदर्शक मंडल में दीपक-राजश्री संगही, सौरभ-मेघा पाटनी, आशिष-रितु जयपुरिया, मनोज-सरिता पाटौदी एवं अभिनव-शिखा सेठी को मनोनीत किया गया। नवनिर्वाचित मंत्री अभय सेठी ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया और आगामी वर्ष की कार्य योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की।

सर्व समाज सेवा समिति ने मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर बढ़ाया उत्साह

जयपुर. शाबाश इंडिया

सर्व समाज सेवा समिति के सदस्यों द्वारा गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, खातीपुरा में आयोजित समारोह में शिरकत की गई। इस दौरान समिति द्वारा विद्यालय के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया। समिति के सदस्यों ने कक्षा 1 से 8 तक के उन विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया, जिन्होंने अपनी कक्षाओं में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि बच्चों को पुरस्कृत करने से उनमें न केवल आत्मविश्वास बढ़ता है, बल्कि शिक्षा के प्रति एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना भी विकसित होती है। इस गरिमामय समारोह में स्थानीय पार्षद श्री छोटू लाल जी, दिनेश जी, जय शंकर जी, संदीप जी बानूड़ा एवं डॉ. अशोक दुबे विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और विद्यालय प्रशासन के प्रयासों की सराहना की।

अंतरराष्ट्रीय गुलाब दिवस पर 7 व 8 फरवरी को सिटी पार्क में महकेंगे 300 किस्मों के गुलाब

जयपुर. शाबाश इंडिया

'द रोज सोसायटी ऑफ राजस्थान' द्वारा हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी 51वीं अखिल राजस्थान गुलाब प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया जा रहा है। विशेष बात यह है कि इस वर्ष पहली बार अंतरराष्ट्रीय गुलाब दिवस के अवसर पर 7 व 8 फरवरी को जयपुर के मानसरोवर स्थित सिटी पार्क में दो दिवसीय 'रोज शो' आयोजित होगा। कार्यक्रम में सोसायटी के चेयरमैन व मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास मुख्य अतिथि होंगे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता सोसायटी अध्यक्ष पवन अरोड़ा करेंगे। इस प्रदर्शनी का आयोजन राजस्थान आवासन मंडल और जयपुर विकास प्राधिकरण की सहभागिता से किया जा रहा है। साथ ही राजस्थान माइन्स एंड मिनरल लिमिटेड एवं जयपुर नगर निगम का भी विशेष सहयोग प्राप्त हुआ है। सोसायटी अध्यक्ष पवन अरोड़ा ने बताया कि प्रदर्शनी में लगभग 300 किस्मों के आकर्षक गुलाब प्रदर्शित किए जाएंगे। इसमें घरेलू किचन गार्डन और हाउस गार्डन से लेकर सरकारी व अर्द्ध-सरकारी नर्सरी एवं निजी गार्डन्स हिस्सा लेंगे। विभिन्न श्रेणियों के आधार पर प्रतिभागियों को 43 ट्रॉफियों सहित लगभग 200 पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। प्रदर्शनी की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पवन अरोड़ा, पूर्व मुख्य सचिव अशोक जैन, प्रमुख सचिव देबाशीष पृष्टी, आईएएस रुकमणी रियार, आईएएस गौरव सैनी, आईएएस प्रज्ञा केवलरमानी (वर्चुअली), सोसायटी सचिव अनिल कुमार भार्गव एवं प्रचार संयोजक राजकुमार बैद उपस्थित रहे। सोसायटी के महासचिव अनिल कुमार भार्गव ने बताया कि बच्चों के लिए मिकी माउस, झूले, सांस्कृतिक कार्यक्रम और नाइट्रोजन शो आयोजित किए जाएंगे। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से साँझ ढलते ही शक्तिशाली दूरबीन के माध्यम से आकाश-दर्शन कराया जाएगा, जिसमें प्रतिभागी बृहस्पति ग्रह और उसके चंद्रमाओं का अवलोकन कर सकेंगे। प्रचार संयोजक राजकुमार बैद ने बताया कि स्कूली विद्यार्थियों के लिए दोपहर 12:30 से 1:30 बजे तक गुलाब पर आधारित ड्राइंग प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। आयोजकों की ओर से निःशुल्क ड्राइंग शीट दी जाएगी और विजेता विद्यार्थियों को चार श्रेणियों में आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे।

71 वर्ष प्राचीन मानस्तंभ पर हुआ चारों श्रीजी का भव्य पंचामृत अभिषेक

मानस्तंभ अहंकार को नष्ट कर मन को शांत और निर्मल बनाता है: मुनि हितेंद्रसागर

निवाई. शाबाश इंडिया

प्रथमाचार्य शांतिसागर जी महाराज की परंपरा के पंचम पट्टाधीश आचार्य वर्धमान सागर जी (32 साधुओं के संघ सहित) के पावन सानिध्य में ऐतिहासिक धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुआ। दिगंबर जैन बड़ा मंदिर कमेटी के तत्वावधान में आयोजित इस दो दिवसीय कार्यक्रम में निवाई का सकल दिगंबर जैन समाज श्रद्धा के साथ उमड़ पड़ा। 27 जनवरी को महिलाओं की कलश यात्रा, भूमिशुद्धि और याग मंडल विधान के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। 28 जनवरी को आचार्य श्री को निमंत्रण दिया गया। ध्वजारोहण का सौभाग्य श्रीमती प्रेमदेवी, चेतन, महेश गिन्दौड़ी परिवार को प्राप्त हुआ। मंदिर के शिखर पर नूतन कलशारोहण नरेंद्र एवं श्रीमती वीरमती चंवरिया परिवार द्वारा किया गया। संपूर्ण अनुष्ठान विधानाचार्य सुरेश के. शास्त्री के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। मानस्तंभ के

शीर्ष पर विराजित भगवान का भव्य पंचामृत अभिषेक एवं शांतिधारा मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुई...

आदिनाथ भगवानः अरुण-अर्पित लटूरिया परिवार।

चंद्रप्रभ भगवानः विनोद-महेंद्र सुनारा परिवार।

शांतिनाथ भगवानः विष्णु-राहुल बोहरा परिवार (शांतिधाराः सुरेश-महेंद्र-रवि पाटनी परिवार)।

महावीर स्वामीः सुशील-नीरा जैन (पाइप फैक्ट्री परिवार)। शांतिधारा का मंत्रोच्चार मुनि हितेंद्रसागर जी द्वारा किया गया। बड़ा मंदिर कमेटी के मंत्री मोहित चंवरिया और पवन बोहरा ने सभी पुण्यार्जक परिवारों का बहुमान किया।

मुनि हितेंद्रसागर जी ने संबोधित करते हुए बताया कि 'मान' का अर्थ अहंकार और 'स्तंभ' का अर्थ खंभा होता है। यह वह स्तंभ है जो मनुष्य के मान और घमंड को नष्ट कर दे। प्राचीन काल में तीर्थंकरों के समवशरण के बाहर मानस्तंभ होते थे। इसके शीर्ष पर चारों दिशाओं में प्रतिमाएं होती हैं और नीचे की तीन सीढ़ियां सम्यकदर्शन, सम्यकज्ञान और सम्यकचारित्र का प्रतीक हैं। इसे देखने मात्र से मंदिर में प्रवेश से पूर्व मन शांत और नम्र हो जाता है। गुरुभक्त राजेश पंचोलिया (इंदौर) के अनुसार, इस 41 फीट ऊँचे श्वेत संगमरमर के मानस्तंभ की प्रतिष्ठा 30 जनवरी 1955 (माघ शुक्ला सप्तमी, संवत 2011) को हुई थी। स्व. रतनलाल गिन्दौड़ी ने अपने पिता स्व. गजानंद जी की स्मृति में आचार्य कल्प वीरसागर जी, मुनि शिव सागर जी और मुनि धर्मसागर जी सहित 8 साधुओं के सानिध्य में इसे निर्मित करवाया था। इस पर सीता जी की अग्नि परीक्षा, षट् लेश्या, सम्राट चंद्रगुप्त के 16 स्वप्न और सिंह-गाय का एक घाट पर पानी पीना जैसे अनेक प्रेरक चित्र अंकित हैं।

महावीर इंटरनेशनल के डूंगरपुर-बांसवाड़ा जोन की अर्द्धवार्षिक मंथन बैठक सुखोदय तीर्थ में संपन्न

बागीदौरा (नौगामा). शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल के डूंगरपुर-बांसवाड़ा (वागड़ जोन) के पदाधिकारियों की अर्द्धवार्षिक 'मंतन बैठक' सुखोदय तीर्थ नसियाजी, नौगामा में गरिमामय वातावरण में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता जोन अध्यक्ष पृथ्वीराज जैन ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अजीत कोठिया रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में गवर्निंग काउंसिल सदस्य हर्षवर्धन जैन, प्रेरणा शाह और निधि गांधी उपस्थित रहीं। नौगामा केंद्र के अध्यक्ष सुरेश गांधी, सचिव कैलाश मोदी, जगजी कटारा और कवि उत्सव जैन ने अतिथियों का पगड़ी एवं उपरणा पहनाकर भव्य स्वागत किया। जोन सचिव विनोद दोसी ने प्रतिवेदन प्रस्तुत कर विगत छह माह की गतिविधियों की जानकारी दी। अध्यक्ष पृथ्वीराज जैन ने संस्था के सेवा कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला, वहीं मुख्य अतिथि अजीत कोठिया ने 'ई-चौपाल' के नवाचार से अवगत कराया। डूंगरपुर केंद्र अध्यक्ष विजय जैन ने अपने केंद्र द्वारा संचालित स्थाई प्रोजेक्ट्स की जानकारी साझा की। इस बैठक में वागड़ जोन के 19 केंद्रों—कलिंजरा, गांगड़तलाई, खोड़न, घाटोल, डडूका, बागीदौरा, बांसवाड़ा, माही वीरा बांसवाड़ा, प्रियदर्शिनी वीरा केंद्र (डूंगरपुर), वामा वीरा केंद्र (सागवाड़ा), बड़ोदिया, पीठ और प्रियकारिणी वीरा केंद्र (बागीदौरा) सहित अन्य केंद्रों के अध्यक्ष, सचिव और कॉर्डिनेटर्स उपस्थित रहे। विनोद दोसी ने बताया कि 'अपेक्स' द्वारा प्रत्येक जोन में एक गांव को गोद लेने की कार्ययोजना बनाई जा रही है। आगामी समय में चिकित्सा, शिक्षा, पर्यावरण और स्वच्छता के क्षेत्र में विशेष सेवा अभियान चलाए जाएंगे। आयोजन के दौरान उत्कृष्ट सेवा कार्य करने वाले सदस्यों का सम्मान भी किया गया। समारोह का समापन तिरंगे झंडे के साथ देशभक्ति गीतों की गूंज के बीच हुआ। इस सफल अधिवेशन की मेजबानी नौगामा केंद्र द्वारा की गई।

आचार्य विद्यासागर जी महाराज के समाधि दिवस पर भक्तिभाव से गूँजा भक्तामर पाठ

अजमेर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन महासमिति (महिला एवं युवा महिला संभाग) अजमेर की सर्वोदय कॉलोनी इकाई द्वारा स्थानीय 'श्री शांतिनाथ जिनालय' में संत शिरोमणि आचार्य भगवन 108 श्री विद्यासागर जी महाराज के द्वितीय समाधि दिवस पर विशेष अनुष्ठान का आयोजन किया गया। इकाई अध्यक्ष अनामिका सुरलाया एवं मंत्री रेणु पाटनी ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य श्री के छाया चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके पश्चात समिति की सदस्याओं द्वारा 48 दीप प्रज्वलित कर भक्तिभाव के साथ 'भक्तामर स्तोत्र' एवं 'णमोकार महामंत्र' का पाठ किया गया। दीपों की आभा के बीच मंत्रोच्चार ने वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।

भजनों से दी विनयांजलि: महासमिति मंत्री रिंकू कासलीवाल एवं प्रचार प्रसार मंत्री शशि जैन बज ने जानकारी दी कि इस अवसर पर उपस्थित जैन धर्मावलंबियों ने मधुर भजनों की प्रस्तुतियां देकर आचार्य श्री के चरणों में अपनी विनयांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में मंदिर समिति के अध्यक्ष नवीन पाटनी, मंत्री विनय गदिया, सुभाष गंगवाल, मंगल पाटनी, युवा महिला संभाग अध्यक्ष सोनिका भैंसा, मंत्री सुषमा पाटनी, कोषाध्यक्ष रेनू पाटनी, वर्षा बड़जात्या, मधु जैन, बीना गदिया, अनीता गंगवाल, गुणमाला गंगवाल, प्रिया पाटनी एवं नीलिमा पाटनी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सोनागिर न्यास और भिंड गोलालारे समाज ने मुनि श्री अनुमान सागर जी से लिया आशीर्वाद

पावई में 6 फरवरी को मनेगा मुनि श्री का अवतरण दिवस; 22 फरवरी को सोनागिर में दीक्षा महोत्सव

भिंड (सोनल जैन). शाबाश इंडिया

भारतवर्षीय दिगम्बर गोलालारे जैन सेवा न्यास (सोनागिर) एवं भिंड गोलालारे समाज सेवा समिति के पदाधिकारियों ने मंगलवार को भिंड नगर गौरव मुनि श्री अनुमान सागर जी महाराज के चरणों में श्रीफल भेंट कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। यह कार्यक्रम दोपहर 2:30 बजे बताशा बाजार स्थित चैत्यालय जैन मंदिर में संपन्न हुआ। न्यास के अध्यक्ष श्री अनिल जैन के निवेदन पर मुनि श्री ने सोनागिर सिद्ध क्षेत्र पर हो रहे निर्माण एवं विकास कार्यों की जानकारी हेतु तैयार की गई विशेष पत्रिका का विमोचन किया। इस दौरान ग्वालियर, भिंड और पावई कमेटी के पदाधिकारियों ने मुनि श्री को सोनागिर एवं ग्वालियर प्रवास हेतु श्रीफल भेंट कर निवेदन किया। मुनि श्री ने चर्चा के दौरान बताया कि आगामी 14-15 फरवरी के आसपास उनका सोनागिर सिद्ध क्षेत्र पहुंचने और होली मेले तक वहां प्रवास करने का विचार है। इससे पूर्व वे भिंड के समीपवर्ती क्षेत्रों–पावई, गोरमी, मेहगांव, सोनी और गोहद के समाज को दर्शन देंगे। मीडिया प्रवक्ता सोनल जैन ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी साझा की...

6 फरवरी: अतिशय क्षेत्र पावई में मुनि श्री का अवतरण दिवस भक्तिभाव के साथ मनाया जाएगा।

22 फरवरी: सिद्ध क्षेत्र सोनागिर में राष्ट्रीय स्तर पर भव्य दीक्षा महोत्सव आयोजित होगा।

मुनि श्री ने आश्वस्त किया कि सोनागिर प्रवास के दौरान वे 'गोलालारे जैन सेवा सदन' में भी पधारेंगे। इस अवसर पर अनिल जैन, जय कुमार जैन, महेश चन्द्र जैन, जिनेन्द्र कुमार जैन, पियूष जैन, आनंद कुमार (संगीता लाज), उत्तम चंद जैन, कमल जैन, मंजू-अनिल जैन, स्नेहलता-रमेश जैन, धर्मेंद्र जैन (पोस्ट ऑफिस), संजीव जैन, मोनू जैन (मुरार), पंकज जैन (बारदाना), अनिल (पीसी पैलेस), राजेश जैन बन्टी (जैन मिलन), महेन्द्र टोगिया, महेन्द्र जैन, प्रवीण गंगवाल सहित कई गणमान्य सदस्य एवं पत्रकार सोनल जैन उपस्थित रहे।

डॉ. संध्या यादव 'लाला लाजपत राय गौरव सम्मान-2026' से सम्मानित

वाराणसी. शाबाश इंडिया

शिक्षा, चिकित्सा एवं समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए वरिष्ठ प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. संध्या यादव को 'लाला लाजपत राय गौरव सम्मान-2026' से नवाजा गया है। बृजलोक साहित्य कला अकादमी (फतेहाबाद, आगरा) द्वारा लाला लाजपत राय जयंती के अवसर पर उन्हें इस प्रतिष्ठित सम्मान से अलंकृत किया गया। एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. संध्या यादव ने कम उम्र में ही चिकित्सा के साथ-साथ समाजसेवा के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य किए हैं। वे समय-समय पर अपने सहयोगियों के साथ मिलकर गरीब बस्तियों में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित करती हैं, जहाँ महिलाओं को मुफ्त मेडिकल परामर्श, जाँच व दवाइयां उपलब्ध कराई जाती हैं। डॉ. संध्या गांव-गांव जाकर महिलाओं को विभिन्न रोगों के प्रति जागरूक करने के साथ ही उनके स्वास्थ्य की देखभाल भी कर रही हैं। महिला रोगों पर उनके शोधपरक आलेख विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में निरंतर प्रकाशित होते रहते हैं। उल्लेखनीय है कि डॉ. संध्या यादव को पूर्व में भी काशीरत्न सम्मान, गोवर्धन श्री सम्मान, सेवा सम्मान अलंकरण, अंतरराष्ट्रीय भूषण सम्मान, सर्वपल्ली राधाकृष्णन अवार्ड और महात्मा गांधी सेवा रत्न सम्मान जैसे दर्जनों प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। चिकित्सा क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें नेताजी सुभाष चंद्र बोस जन्मोत्सव पर भी प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया था। डॉ. संध्या यादव गर्भवती महिलाओं को जागरूक करते हुए कहती हैं कि शरीर के विकास और बेहतर स्वास्थ्य के लिए संतुलित आहार के महत्व को कभी कम नहीं आंकना चाहिए। गर्भावस्था के दौरान सही पोषण ही स्वस्थ शिशु और सुरक्षित मातृत्व का आधार है।

थड़ी मार्केट मानसरोवर में दो मुमुक्षु बहनों की जैनेश्वरी दीक्षा भव्यता के साथ संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

थड़ी मार्केट मानसरोवर स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर के तत्वावधान में, दिव्य तपस्वी राष्ट्र संत आचार्य श्री सुंदर सागर जी महाराज एवं आचार्य श्री शशांक सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में भव्य जैनेश्वरी दीक्षा समारोह संपन्न हुआ। सरदार पटेल स्कूल (गुजराती भवन) में आयोजित इस समारोह में ब्र. देशना दीदी एवं ब्र. उषा दीदी ने वैराग्य धारण कर जैनेश्वरी दीक्षा ग्रहण की। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन ने बताया कि इस अवसर पर तीन विशेष मांगलिक आयोजन हुए–दो दीक्षाएं, आचार्य श्री सुंदर सागर जी महाराज का 18वां आचार्य पदारोहण दिवस तथा तपस्वी सम्राट आचार्य 108 श्री सन्मति सागर जी महाराज का 88वां जन्म दिवस। समारोह का शुभारंभ जय प्रकाश - निर्मला जैन (मांगियावास) द्वारा ध्वजारोहण से हुआ। मंगलाचरण ब्रह्मचारणी दीदियों द्वारा किया गया एवं स्थानीय महिला मंडल ने मनमोहक मंगल गीत व नृत्य प्रस्तुत किए। दीक्षार्थियों के माता-पिता प्रेमचंद - चंदा देवी बाकलीवाल

(पीपला वाले) एवं भानु - मोहित (मालपुरा वाले) ने दीक्षा की मांगलिक क्रियाएं संपन्न कीं।

विशिष्ट जनों की उपस्थिति

कार्यक्रम का कुशल संचालन ब्र. शैली दीदी एवं पंकज लुहाडिया द्वारा किया गया। इस अवसर पर समाज श्रेष्ठी प्रवीण-प्रिया, विकास-मेनका बड़जात्या, जय कुमार जैन (कोटा), मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष सुमति कुमार जैन, मंत्री अशोक कुमार जैन, उपाध्यक्ष पवन जैन (नगीना वाले) सहित विभिन्न संस्थाओं, महिला मंडलों और युवा मंडलों के हजारों पदाधिकारियों एवं भक्तों ने दीक्षा की अनुमोदना की।

कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा सुंदरकांड पाठ का भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जय श्री कृष्णा, राधे-राधे! कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट (निवाला) द्वारा मंगलवार, 27 जनवरी 2026 को हनुमान जी की भक्ति में समर्पित 'सुंदरकांड पाठ' का आयोजन किया गया। यह मंगलमय कार्यक्रम दोपहर 3 बजे से संस्था के कार्यालय प्रांगण, अभिषेक विहार (गांधी पथ) में संपन्न हुआ। इस पुनीत अवसर पर संस्था के सभी कार्यालय सदस्यों, सहयोगियों एवं स्थानीय कॉलोनीवासियों ने सम्मिलित होकर सुंदरकांड की चौपाइयों का श्रवण किया और भक्तिभाव से पुण्य लाभ अर्जित किया। कार्यक्रम के दौरान हनुमान जी के जयकारों से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो गया। अंत में हनुमान जी की आरती के साथ प्रसाद वितरण किया गया।

महेश चंद्र जैन 'चांदवाड़' अध्यक्ष और हरक चंद जैन 'लुहाड़िया' बने मंत्री

जयपुर. शाबाश इंडिया। बुंदेलखंड दिगम्बर जैन यात्रा संघ समिति के वार्षिक चुनाव निर्विरोध रूप से संपन्न हुए, जिसमें नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। सर्वसम्मति से महेश चंद्र जैन चांदवाड़ को अध्यक्ष और हरक चंद जैन लुहाड़िया को मंत्री पद पर निर्वाचित किया गया।

चुनाव में अन्य महत्वपूर्ण पदों पर भी नियुक्तियां की गईं... उपाध्यक्षः महावीर कासलीवाल, संयुक्त मंत्रीः नवीन कुमार बज, कोषाध्यक्षः प्रद्युम्न पाटनी एवं कार्यकारिणी सदस्यः कमल किशोर रारा, कैलाश चंद पांड्या, रमेश चंद लुहाड़िया, महावीर कुमार चांदवाड़, नरेंद्र कासलीवाल एवं विजय कुमार जैन। नवनिर्वाचित मंत्री हरक चंद जैन लुहाड़िया ने संस्था की भविष्य की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह मूलतः सीनियर सिटीजन (वरिष्ठ नागरिकों) की संस्था है। इसका मुख्य उद्देश्य बुजुर्गों को पूजन-पाठ एवं भक्ति से जोड़ना तथा यात्रा के दौरान जैन धर्म के सिद्धांतों के अनुरूप पूर्णतः शुद्ध सात्विक भोजन उपलब्ध कराना है। उन्होंने घोषणा की कि हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी संस्था के सदस्यों के लिए विदेश भ्रमण का विशेष आयोजन किया जाएगा।

ब्यावर में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया आचार्य विद्यासागर जी महाराज का द्वितीय समाधि दिवस

'विद्या नवमी' महामहोत्सव पर मुनि अरहसागर जी ने दी गुरुवर के मार्ग पर चलने की प्रेरणा

ब्यावर. शाबाश इंडिया

धर्मनगरी ब्यावर में युगशिरोमणि, संतशिरोमणि आचार्य १०८ श्री विद्यासागर जी महाराज का द्वितीय समाधि दिवस 'विद्या नवमी' महामहोत्सव अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ मनाया गया। श्री दिगंबर जैन पंचायती नसियां में आयोजित इस भव्य समारोह में समाज के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने गुरुवर के चरणों में भावभीनी विनयांजलि अर्पित की। समाज के प्रवक्ता अमित गोधा ने बताया कि यह पावन महोत्सव पूज्य मुनि १०८ श्री अरहसागर जी महाराज एवं पूज्य मुनि १०८ श्री सुहितसागर जी महाराज के मंगल सानिध्य में संपन्न हुआ। मुनिश्री ने आचार्य श्री के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा बताए गए अहिंसा, संयम और आत्मकल्याण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। प्रातःकाल भगवान आदिनाथ का रजत कलशों से शांतिधारा करने का सौभाग्य वीरकुमार-कमलकुमार रांवका, अशोक-उज्जवल काला, घनश्याम-कल्पेश जैन, चंद्रप्रकाश-अमित गोधा, संजीव-सीमा गंगवाल, जितेंद्र-युग ठोलिया एवं शशिकांत-राहुल गदिया परिवार को प्राप्त हुआ। दोपहर में विधानाचार्य पं. घनश्यामदास शास्त्री के निर्देशन में 'विद्या गुरु विधान' प्रारंभ हुआ। मंत्रोच्चार एवं भक्ति संगीत के बीच श्रद्धालुओं ने विधान की समस्त क्रियाएं भावपूर्वक संपन्न कीं। पूजा सामग्री के पुण्यार्जक वीरकुमार-कमलकुमार रांवका परिवार का समाज अध्यक्ष अशोक काला, मंत्री विजयकुमार फागीवाला, लादूलाल जैन, जम्बूकुमार रांवका एवं अन्य पदाधिकारियों ने माला, तिलक व साफा पहनाकर भव्य बहुमान किया। अपने प्रवचन में पूज्य मुनि १०८ श्री अरहसागर जी महाराज ने कहा– 'आचार्य श्री ने जीवनभर ज्ञान को आचरण में उतारने का संदेश दिया। उनका प्रत्येक क्षण आत्मकल्याण और लोककल्याण के लिए समर्पित रहा। यदि हम उनके प्रति सच्ची श्रद्धा व्यक्त करना चाहते हैं, तो हमें उनके बताए मार्ग–अहिंसा, अपरिग्रह और आत्मशुद्धि–को अपनाना होगा। विद्या केवल पुस्तकों तक सीमित न रहे, बल्कि हमारे आचरण में झलके, यही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है।'

कार्यक्रम के पश्चात समाज के सभी पुरुष एवं महिला वर्ग के लिए नसियां जी में सामूहिक वात्सल्य भोज (भोजन) की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ सदस्य एवं युवा वर्ग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।